RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 51 ● भिलाई, शनिवार 23 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में जासूस कबूतर के पकड़े जाने के बाद स्टेशन और आसपास सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एक जासूस कबूतर पकड़ा गया है, जिसके पैर में एक धमकी भरा नोट बंधा हुआ था। नोट में जम्मू स्टेशन को इम्प्रोवाइज्ड एक्प्लोसिव डिवाइस से उड़ाने की धमकी लिखी थी। धमकी भरा नोट मिलने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। साथ ही अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी अलर्ट घोषित किया गया है। अधिकारी कबूतर के सीमा पार पहुंचने की जांच कर रहे हैं। कबूतर को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू से लगभग 40 किलोमीटर दूर आरएस पुरा सेक्टर के खटमारिया इलाके में पकड़ा है। नोट को उर्दू और अंग्रेजी भाषा में लिया गया था। उर्दू में लिखा था, कश्मीर हमारा है, समय आ गया है, आएगा, जबकि अंग्रेजी में लिखा था।

महाराष्ट्र के यवतमाल में रेलवे पुल के लिए खोदा गया गड्ढा बारिश से भरा, 4 बच्चे डूबे

मुंबई। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां रेलवे के एक निर्माणाधीन स्थल पर बारिश का पानी भर गया, जिसमें 4 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना दारव्हा रेलवे स्टेशन परिसर में हुई है, जहां महत्वाकांक्षी वर्धा-यवतमाल-नांदेड़ परियोजना के तहत रेलवे पुल बनाया जा रहा है, जिसके लिए गड्ढे खोदे गए हैं। मृतक बच्चों में रेहान खान (13), गोलू नारनवरे (10), सौम्या खडसन (10) और वैभव बोधले (14) हैं, जो दारव्हा के निवासी थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, परियोजना के तहत पुल बनाने के लिए कई गहरे गड्ढे खोदे गए हैं, जिसमें पिछले 5 दिन से हो रही बारिश के कारण पानी भर गया था। निर्माण स्थल के आसपास कोई बैरिकेड या घेराव नहीं बनाया गया था, जिससे बच्चों का समूह उसमें नहाने के लिए उतर गया। बच्चों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी और वे वहीं बेहोश हो गए। इसके बाद उनकी डूबने से मौत हो गई।

अहमदाबाद में छात्र को चाकू मारने वाले आरोपी की दोस्त से बातचीत आई सामने, कोई पछतावा नहीं

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 10वीं के छात्र नयन को चाकू मारने वाले 8वीं के छात्र में घटना को लेकर कोई पछतावा नहीं है। यह खुलासा उसकी बातचीत से हुआ है। आरोपी छात्र ने वारदात के बाद अपने एक दोस्त से मोबाइल पर चैटिंग की, जिसमें उसने कहा कि अब जो हो गया, वो बीत गया है। आरोपी छात्र ने बातचीत में चाकू मारने की बात भी कबूल की है। आरोपी को उसके एक दोस्त ने मोबाइल पर संदेश भेजा कि क्या उसने आज स्कूल में कुछ किया है। इस पर आरोपी ने हां में जवाब दिया। दोस्त ने बताया कि जिस लड़के को उसने मारा है, वह मर चुका है।

तृणमूल कांग्रेस पर पीएम मोदी का करारा हमला

केंद्र का पैसा जनता तक नहीं टीएमसी के पास जा रहा...

कोलकाता/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा और सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोदी ने मेट्रो की सवारी की और मेट्रो परियोजनाओं में शामिल स्कूली छात्रों और निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने का अवसर मिला... सभी खुश हैं कि कोलकाता के सार्वजनिक परिवहन में प्रगति हुई है... मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए कोलकाता के लोगों को बधाई देता हूं। वहीं, कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऐसे समय में आया हूँ जब दुर्गा पूजा की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता इस उत्सव की तैयारी और सजावट में व्यस्त है। खुशी और आस्था के इस उत्सव में जब विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल का सामर्थ्य नहीं बढ़ेगा, तब तक विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं हो पाएगी। क्योंकि भाजपा मानती है, भाजपा की

श्रद्धा है - जब बंगाल का उदय होगा, तभी विकसित भारत बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र की बीजेपी सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की यूपीए सरकार ने अपने 10 साल में दिया था। उससे 3 गुना से ज्यादा पैसा हमारी भारत सरकार ने बंगाल को दिया है। रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। लेकिन, बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। चुनौती ये कि बंगाल के लिए जो पैसा हम राज्य सरकार को सीधे भेजते हैं...उसका ज्यादातर हिस्सा यहां लूट लिया जाता है। वो पैसा टीएमसी काडर पर खर्च होता है। इसलिए गरीब कल्याण की अनेक योजनाओं में बंगाल... देश के दूसरे राज्यों से पिछड़ा हुआ है। मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले पड़ोस में असम और त्रिपुरा के भी यही हाल थे। लेकिन जबसे असम और त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनी है, गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ वहां जनता को मिलने लगा है। आज इन राज्यों में हर घर जल का काम तेजी से चल रहा है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज हर गरीब को मिल रहा है। गरीबों के पक्के घर बन रहे हैं।

कोलकाता भारत के इतिहास और भविष्य की समृद्ध पहचान

अपने संबोधन के शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कोलकाता जैसे हमारे शहर भारत के इतिहास और हमारे भविष्य दोनों की समृद्ध पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है तब दमदम, कोलकाता इन शहरों की भूमिका बहुत बड़ी है... ये आयोजन इस बात का प्रमाण है कि आज का भारत अपने शहरों का कैसे कायाकल्प कर रहा है। उन्होंने मेट्रो सेवा को लेकर कहा कि 2014 से पहले देश में सिर्फ 250 किलोमीटर मेट्रो रूट था, आज देश में मेट्रो रूट बढ़कर 1,000 किलोमीटर से ज्यादा हो गया है।

गांधीनगर में हुई नारेबाजी

सीएम रेखा के कार्यक्रम में फिर से हंगामा हुआ..

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में फिर से हंगामा हुआ है। बताया जा रहा है कि अशोक बाजार गांधी नगर में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता थोक रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वस्त्रिका 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंची थीं। एक शख्स यहां नारेबाजी कर हंगामा कर रहा था। जिसे बैरिकेडिंग के बाहर ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वहीं, जानकारी मिली है कि एक अन्य शख्स को भी हंगामा करने के संदेह में पकड़ा गया है। जनसुनवाई में मुख्यमंत्री पर हुए हमले के बाद रेखा गुप्ता पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में

शामिल होने के लिए घर से बाहर निकली थीं। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद हर्ष मल्होत्रा, स्थानीय विधायक अरविंद सिंह लवली, पार्षद और गांधीनगर मार्केट के तमाम व्यापारी मौजूद रहे। इस हंगामे से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।

सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी

नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ दें,आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए-सुप्रीम

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले अपने 11 अगस्त के निर्देश में संशोधन कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह पर छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने साफ किया कि कुत्तों को छोड़े जाने वाला आदेश रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले या फिर आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारैया की पीठ ने कहा कि डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। पीठ ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाएं, जहां लोग आवारा कुत्तों को खाना खिला सकें। पीठ ने कहा कि नगर निकायों की ओर से विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए जाएंगे। पीठ ने साफकिया कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। पीठ ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस

बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें साफलिखा होगा कि आवारा कुत्तों को केवल उन्हीं क्षेत्रों में खाना खिलाया जाएगा। पीठ ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाते पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी ढांचे के तहत कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि किसी लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोका जाता है, तो वह इसके लिए उत्तरदायी होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं इस मामले का दायरा पूरे भारत में बढ़ाते हुए पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाया और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित कर लिया। पीठ ने 11 अगस्त के निर्देश पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया।

ऑनलाइन गेमिंग बिल को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

बना कानून,जेल और एक करोड़ रूपए जुर्माने का होगा प्रावधान...

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसे एक दिन पहले राज्यसभा ने पारित किया था। यह कानून सभी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाता है और सुविधा प्रदान करने वालों के लिए तीन साल तक की कैद और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान करता है। ऐसे प्लेटफॉर्म का विज्ञापन करने पर दो साल तक की सजा और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उच्च सदन ने ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं

विनियमन विधेयक, 2025 को 26 मिनट में पारित कर दिया। इससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रक्रियागत चिंताओं को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच इसे सात मिनट में पारित कर दिया था। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में सांसदों को बताया कि लोग ऑनलाइन मनी गेमिंग में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी गँवा रहे हैं। वैष्णव ने राज्यसभा में कहा कि समय-समय पर समाज सामाजिक बुराइयों से जूझता है। ऐसे में सरकार और संसद का यह कर्तव्य है कि वे इनकी जाँच करें और इन्हें नियंत्रित करने के लिए कानून बनाएँ। मंत्री ने कहा, ''जब समाज और सरकार के राजस्व के बारे में चिंता करनी होती है ।तो इन दोनों के बीच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा मध्यम वर्गीय परिवार (के कल्याण) को ही चुना है, हमेशा समाज के फायदे को ही चुना है, कभी इससे समझौता नहीं किया है। और इस विधेयक में भी समाज के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।

दिल्ली के 5 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, लगातार तीसरे दिन आया ईमेल

नईदिल्ली। दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलना बंद नहीं हो रही है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है, जिसमें प्रसाद नगर और द्वारका सेक्टर 5 समेत अन्य इलाकों के 5 स्कूल शामिल हैं। धमकी की सूचना पर दिल्ली पुलिस बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉयड और अग्निशमन दल के साथ मौके पर पहुंच गया है। जांच जारी है। सुबह 5 स्कूलों को ईमेल मिलने से पहले बुधवार को करीब 50 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी थी। सभी स्कूलों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद स्कूल खाली कराए गए।

एनडीए की होगी जीत

न राहुल गांधी पीएम बनेंगे...न उदयनिधि सीएम-अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने आज राज्य में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन के शुरूआत में कहा कि मैं राज्य के लोगों को यह बताने आया हूँ कि उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद, तमिलनाडु का बेटा सीपी राधाकृष्णन राज्यसभा का सभापति बनने जा रहा है। इससे पहले एनडीए ने एपीजे अब्दुल कलाम जी को भी भारत का राष्ट्रपति बनाकर यह सम्मान दिया था। नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा तमिलनाडु,

तमिल भाषा और तमिल संस्कृति को गौरवान्वित करने का काम किया है। शाह ने कहा कि मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने प्रतिष्ठित तमिल नेता सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति जैसे प्रतिष्ठित पद के लिए नामित किया है। इसके बाद शाह ने कहा कि पहलगाम में, पाकिस्तान प्रायोजित आतंक वादियों ने निर्दोष नागरिकों की दुखद जान ले ली। मोदी जी ने देश को दृढ़ता से आश्वस्त किया कि आतंकवादियों और उनके कृत्यों को अंजाम देने वालों, दोनों को परिणाम भुगतने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर को अधिकृत करके, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान में गहराई तक स्थित आतंकवादी ठिकाने नष्ट कर दिए जाएँ। इसके अलावा, ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम में हुए जघन्य हमले के लिए ज़िम्मेदार तीन आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को बड़ा आदेश

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेज़ों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई

भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं, जबकि दो लाख से ज़्यादा नए मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आए हैं। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से कहा, राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं और हालात इतने खराब नहीं हैं। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। बिहार में जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान चलाने के फैसले से भारी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एसआईआर के अनुसार, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या इस अभियान से पहले के 7.24 करोड़ से घटकर 7.9 करोड़ रह गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कोई भी व्यक्ति खुद से या राजनीतिक पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट्स की मदद से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है और उन्हें भौतिक तौर पर फ़ार्म जमा करने की जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा कि आवेदन में फ़ार्म 6 के साथ आवेदक आधार कार्ड समेत 11 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज जमा कर सकता है।

अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी

पीठ ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों को अगली सुनवाई पर स्टेटस रिपोर्ट जमा करनी होगी, जिसमें उन्हें बताना होगा कि उन्होंने कितने लोगों की ऑनलाइन फॉर्म भरने में मदद की। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई अब 8 सितंबर को तय की है। पीठ ने चुनाव अधिकारियों से ये भी कहा कि बूथ लेवल एजेंट्स द्वारा आवेदन कराए जाने पर उन्हें एक पर्ची भी दी जाए। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से आग्रह किया कि चुनाव आयोग को यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। द्विवेदी ने कहा, 'राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं, लेकिन स्थिति उतनी खराब नहीं है। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है।

कोहड़िया स्पंज आयरन का 22 गांव के ग्रामीणों ने किया विरोध

बेमेतरा। ग्राम को कोहड़िया में प्रस्तावित स्पंज आयरन खुलने के विरोध में 22 गांव के महिला पुरुष सहित भारी संख्या में ग्रामीण विरोध दर्ज करते हुए स्पंज आयरन फैक्ट्री खुलने से होने वाली परेशानी को बताते हुए अपना पक्ष रखा जनसुनवाई के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था बेमेतरा जिला के तहसील भिभोरी में स्थित ग्राम कोहड़िया में एक निजी कंपनी के द्वारा स्पंज आयरन खोलने के विरोध में जनसुनवाई का आयोजन गुरुवार को किया गया था जहां पर करीब 22 गांव के महिला पुरुष सहित भारी संख्या में ग्रामीण प्रस्तावित स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध दर्ज करने के लिए पहुंचे थे ग्रामीणों के द्वारा विरोध व्यक्त करने वालों की संख्या का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोगों ने अपनी विरोध दर्ज करने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा और अपने बारी आने का इंतजार करते हुए देखा गया प्रस्तावित स्पंज आयरन के संबंध में इस बात को लेकर भी विरोध किया गया कि ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्तावित स्पंज आयरन खोलने के लिए ना तो अभी तक लिखित में ग्राम पंचायत द्वारा एनओसी दिया गया है और ना ही स्पेंड आयरन खोलने के लिए जिस स्थान का चयन किया गया है उसका डायवर्सन हो पाया है इसके बाद भी स्पंज आयरन खोलने के लिए जनसुनवाई कैसे रखा गया है।

स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध जताया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोहड़िया में प्रस्तावित निजी क्षेत्र के स्पंज आयरन फैक्ट्री मेसर्स बृजेश स्टील प्राइवेट लिमिटेड खोले जाने का जनसुनवाई में पहुंचकर विरोध व्यक्त किया इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि ग्राम को कोहडिया में जनसुनवाई का औचित्य ही नहीं है ग्राम पंचायत के द्वारा किसी भी प्रकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है ऐसे में शासन प्रशासन क्षेत्र में निजी क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के नियत से स्पंज आयरन फैक्ट्री खुलवाना चाहता है जिसका जिला कांग्रेस कमेटी विरोध करती है इस उद्योग के लगने से क्षेत्र के लोगों को किसी प्रकार से लाभ नहीं है सिर्फहानी के पूरा क्षेत्र कार्बन डाइऑक्साइड और सिल्का के प्रदूषण से भर जाएगा तथा स्पंज आयरन उद्योग को बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के लिए घातक बताया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि कृषि प्रधान क्षेत्र में भाजपा सरकार स्पंज आयरन फैक्ट्री खोल के यहां के किसानों को किसानी से दूर करना चाहती है आशीष छाबड़ा ने कहा कि हमारा विरोध ऐसे कल कारखानों को लेकर है जिससे बेमेतरा की जलवायु प्रदूषित होती हो जिसका प्रभाव यहां के जनमानस के स्वास्थ्य पर पढ़ता है क्षेत्र के नौजवान साथियों पर पड़ता हो हम ऐसे सभी प्रदूषण फैलाने वाले कल कारखानों का विरोध करेंगे अगर क्षेत्र में कृषि से संबंधित उद्योगों की स्थापना होती है तो इसका स्वागत है हमें भी मालूम है कि कल कारखाने लोगों के विकास और रोजगार के लिए आवश्यक है किंतु ऐसे कल कारखाने नहीं जो लोगों के लिए जीना दूभर कर दें बेमेतरा जिला एक कृषि प्रधान जिला है बेमेतरा जिले में फूड प्रोसेसिंग तथा कृषि से संबंधित अन्य उद्योगों को लगाने के लिए उचित वातावरण इस जिले में है ऐसे में यहां के हरियाली को बर्बाद करना अन्नदाताओं को उनके मूल रोजगार किसानी से दूर करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता।

ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की हुई बैठक

दल्लीराजहरा। रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत 20 अगस्त को डौंडी ब्लॉक के विभिन्न बैंकर्स, बिहान समूह की एफएलसीआरपी, बैंक मित्र, पीआरपी की उपस्थिति में ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मंडले द्वारा बैंक शाखावार बैंक लिंकेज की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी एफएलसीआरपी को पर्याप्त प्रकरण बैंकों में जमा करने के निर्देश दिए। अग्रणी बैंक प्रबंधक ने सभी बैंकर्स को 01 अगस्त से अब तक प्राप्त प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उक्त बैठक ग्रामीण विकास और बैंकिंग सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जिले में अब तक 776 मि.मि. वर्षा दर्ज

दल्लीराजहरा। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले में अब तक 776 मि.मि. वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2025 में क्षेत्राच्छादन का 1,80,215 हेक्टेयर लक्ष्य निर्धारित है। जिसके विरूद्ध अब तक 1,80,240 हेक्टेयर मे बोनी की जा चुकी है। जिसमें धान बोता 1,49,477 हेक्टेयर, रोपा 28,210 हेक्टेयर कुल धान 1,77,687 हेक्टेयर है। मक्का 170 हेक्टेयर, कोदो 580 हेक्टेयर, अरहर 243 हेक्टेयर, उड़द 299 हेक्टेयर, मूंग 52 हेक्टेयर, कुल्थी 20 हेक्टेयर, तिल 56 हेक्टेयर तथा सब्जी 1,133 हेक्टेयर सहित कुल 1,80,240 हेक्टेयर में बोनी पूर्ण हो चुकी है, जो लक्ष्य से शत् प्रतिशत है। जुलाई एवं अगस्त माह में अच्छी बारिश होने से खरीफ फसलों की स्थिति सामान्य पाई गई है। उन्होंने बताया कि खरीफ मौसम में किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, बीज एवं उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। जिले के सहकारी समितियों में यूरिया 23,945 मेट्रिक टन, डी.ए.पी. 6,951 मेट्रिक टन, एम.ओ.पी. 4,701 मेट्रिक टन, एस.एस.पी. 12,594 मेट्रिक टन एवं एन.पी.के. 12,838 मेट्रिक टन कुल 61,028 मेट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण कराया जाकर अद्यतन 57,653 मेट्रिक टन उर्वरकों का वितरण कृषकों को किया जा चुका है, जो भण्डारण के विरुद्ध वितरण 94 प्रतिशत है। कृषकों द्वारा डी.ए.पी. की मांग को ध्यान में रखते हुए डी.ए.पी. के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरकों जैसे एस.एस.पी., एन.पी.के. (12:32:16, 20:20:0:13, 28:28:0, 16:16:16 एवं अन्य) के माध्यम से पूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। कृषकों को गुणवत्तायुक्त बीज एवं उर्वरक उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीज एवं उर्वरक के नमूने अधिसूचित परीक्षण प्रयोगशाला को परीक्षण हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

स्टेशन चौक कुम्हारी में मंत्री गजेन्द्र यादव का आत्मीय स्वागत

कुम्हारी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंत्री मंडल में दुर्ग जिला को प्रतिनिधित्व करने युवा विधायक गजेन्द्र यादव को सम्मिलित किया गया। शपथ ग्रहण के पश्चात् प्रथम गृह जिला आगमन के क्रम में स्टेशन चौक ओव्हर ब्रिज के नीचे ढोल ताशे के साथ फटाखे फोड़कर भाजपा मंडल कुम्हारी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं द्वारा अत्यंत उत्साह और जोश के साथ मंत्री गजेंद्र यादव का पुष्प कुछ मालाओं से हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया गया। मंत्री गजेन्द्र यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्षा कुम्हारी मीना वर्मा, भाजपाई राकेश पाण्डेय, रामाधार शर्मा, मनोज वर्मा, पी. एन. दुबे, पूर्व मंत्री सांवला राम डहरे, प्रदेश भाजपा मंत्री जीतेन्द्र वर्मा, खिलावन साहू कुम्हारी मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, रामकुमार सोनी, अवधेश शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव, प्रवीण राव, फिगेश्वर साहू, योगेश साहू, अशोक सिंह, राजकुमार सिंह, नारायण सोनकर, अनुराग गुप्ता, ओंकार मारकंडेय, दीपक चतुर्वेदी, उमेश साहू, इमरान रिजवी, बशीर खान, आलोक दुबे, अश्विनी देश लहरे, पंकज वर्मा, हरिदास वैष्णव, अनुज शुक्ला, जे पी सिंह, गोल्डी गोस्वामी, पुनेश साहू, तृप्ति चंद्राकर, रीता पाण्डेय, रागिनी निषाद, उमेश्वरी साहू, रितिका यादव, ममता साहू, हेमलता निषाद, सुनीता कुर्रे, पिंकी, जया राव सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा के द्वारा कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जयंती को सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम आधुनिक भारत के जनक, युवाओं के प्रेरणास्रोत, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया और उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन उत्तर मंडल अध्यक्ष विवेक मसीह व आभार व्यक्त झुग्गी झोपड़ी विभाग के जिला अध्यक्ष प्रदीप बबलू ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला, कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व नगर पालिका विधायक प्रतिनिधि रत्तीराम कोसमा, जिला महामंत्री व नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष काशीराम निषाद, जिला सचिव रवि जायसवाल, जिला संयुक्त महामंत्री विजय जोगदंड, जिला अध्यक्ष झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदीप बबलू, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक जुबैर अहमद, नगर अध्यक्ष असंगठित मजदूर कांग्रेस रामू शर्मा, नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग रूबी एंथोनी, युवक कांग्रेस नगर अध्यक्ष युवक कांग्रेस परितोष हंसपाल, ब्लॉक उपाध्यक्ष जोगेंद्र ठाकुर, ब्लॉक महामंत्री श्रीनिवास राव, ब्लॉक सचिव अजय नोनहारे, प्रमोद चौधरी, बलदेव सिंह ठाकुर सहित कांग्रेसजन सम्मिलित हुए।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू का गृहनगर में भव्य स्वागत

रेस्टहाऊस में साहू समाज सहित भाजपाईयों की भीड़

जिला, तहसील व नगर इकाई के अनुयायी शामिल

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू का गृहनगर डोंगरगांव नगर में प्रथम आगमन हुआ। इस मौके पर साहू समाज के अनुयायी एवं अन्य समाजों के भी स्थानीय नागरिकगण बेहद जोशिले व उत्साहित नजर आए। जिला, तहसील व नगर इकाई के अलावा चौकी, छुरिया व डोंगरगढ़ सहित अन्य जिले से पहुंचे सामाजिकजनों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत कर खुशियां जाहिर की। उल्लेखनीय है डॉ नीरेंद्र साहू छग प्रदेश साहू के निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। पूर्व में प्रदेश साहू संघ में प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री बतौर कार्य कर चुके डॉ साहू छग प्रदेश भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। वे प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होकर प्रथम बार गृह जिले व व गृह नगर आगमन पर दोपहर 3 बजे राजनांदगाँव में जिला साहू संघ, डोंगरगांव मार्ग के जंगलपुर, रामपुर, घोरदा, अर्जुनी, अमलीडीह, आरीकोनारी व बगदई में सामाजिक सहित इष्टजनों ने भव्य स्वागत कर शुभकामनाएँ दी। श्रीराम द्वार चौक में सामाजिकजनों सहित समर्थकों ने आतिशबाजी की। उपरांत रैली की शक्ल में रेस्टहाउस पहुँचे। रेस्टहाउस में तहसील साहू संघ, नगर साहू संघ संघ सहित ग्राम इकाई मटियावार्ड के स्वजातीयजनों सहित भाजपाईयों व अन्य समाज के ईष्टजनों ने गुलदस्ता भेंटकर शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उन्होंने मीडियो को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में सभी को साथ लेकर सामाजिक उत्थान की दिशा में कार्य करना है। उक्त अवसर पर भागवत साहू, नीलमणी साहू, नीरा साहू, अमरनाथ साहू, मदन साहू, नोबल साहू, माधव साहू, यशवंत साहू, गुलशन हिरवानी, कौशल साहू, महेश्वर साहू, धनराज साहू, रामप्रकाश साहू, टिकेश साहू, नामदेव साहू, पुरुषोत्तम साहू, सतीश पांडेय, प्रवेश ठाकुर, नूतन साहू, खेलन सार्वा, दिलीप साहू, पुरुषोत्तम साहू, भीषण साहू, जनक साहू, प्रेम साहू, चंद्रशेखर उइके सहित साहू समाज के अनुयायी बड़ी तादाद में उपस्थित थे।

साइबर जागरूकता रथ को एसएसपी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संयुक्त रूप से साइबर जागरूकता कार्यक्रम के तहत साइबर जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया। इस रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानों पर आमजन को साइबर अपराध से बचाव हेतु जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा से किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की ने संयुक्त रूप से रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एसएसपी साहू ने कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। यदि हम सतर्क रहेंगे और दूसरों को सतर्क करेंगे तो साइबर अपराधियों के मंसूबे सफल नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि साइबर ठग विभिन्न तरीकों से अपराध को अंजाम दे रहे हैं और जागरूकता के अभाव में ही आमजन इनके शिकार बनते हैं। इसलिए जागरूकता ही साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। रथ जिले के चिन्हित स्थानों जैसे सिग्नल चौक (पुराना बस स्टैण्ड), बस स्टैण्ड बेमेतरा, माँ भद्रकाली मंदिर के पास, बेरला एवं साजा, खम्हरिया में पहुँचा। यहां पर नुक्कड़ नाटक, ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति एवं साइबर वार्ताओं के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन ठगी एवं साइबर अपराध से बचने की जानकारी दी गई। बेमेतरा पुलिस अपील करती है कि साइबर ठगी से बचाव हेतु सतर्क रहें, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी पासवर्ड साझा न करें और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी की सूचना तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 पर दें। कार्यक्रम के दौरान, सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, मुख्य लिपिक उनि (अ) हरिओम विश्वकर्मा, उनि (अ) प्रदीप देशमुख, स्टेनो सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, संतोष सोनवानी, महेन्द्र भुआर्य, प्रवीण लोहले, दीपक गर्जेलवाल, एसएसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे, चौकी देवकर प्रभारी सउनि उदलराम टांडेकर, महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे, प्रधान आरक्षक मोहित चेलक, लोकेश सिंह, हेमंत साहू, आरक्षक विनोद सिंह, पीलाराम साहू, अखिलेश क्षत्री, धर्मेन्द्र सिंह, सतीश साहू, भारत साहू, वासु साहू, अमित सिंह, अर्जुन चंद्राकर, जितेन्द्र नेताम, राजेश नाथ योगी, महिला आरक्षक भारती सिंह, द्रोपती ठाकुर, प्रियंका सिंह सहित बेमेतरा पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर में अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन सख्त

राजस्व विभाग अवैध कब्जे पर चलायेगा बुलडोजर

नगर के ग्रामीण वार्डों के भूखंड में जारी खरीद फरोख्त

डोंगरगांव नगर। नगर में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे पर अबैदज निर्माण की शिकायतों पर प्रशासन ने सख्त रवैया अख्तियार कर लिया है। ग्रामीण वार्डों वार्ड 8, 14 व 15 में चल रहे अवैध खरीद फरोख्त के बाद कुछ अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई की ओर कदम बढ़ा लिया है। सूत्रों की माने तो कुछ वार्डों में शीघ्र ही अवैध निर्माण को ढहाने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि नगर में इन दिनों शासकीय नजूल की रिक्त भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण का दौर चल रहा है। हालिया दिनों एक व्यवसायी द्वारा वार्ड 8 में शासकीय जमीन को कौड़ी के दामों में खरीद फरोख्त कर गोदाम का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया था। स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर राजस्व विभाग एवं नगर प्रशासन की संयुक्त टीम ने जांच की। जांच में पाया गया कि संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में शासकीय बताई गई है तथा उक्त जमीन पर निर्माण पूरी तरह अवैध है। बताया जा रहा है कि अवैध निर्माण नगर के व्यवसायी के द्वारा लिया गया। राजस्व के मुताबिक निर्माण कार्य प्रगति में था जिस पर रोक लगा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक उक्त अवैध गोदाम निर्माण को राजस्व विभाग द्वारा बुलडोजर से ढहाने की तैयारी है।

कब्जा कर पट्टे बनाने का खेल

नगर में नजूल की रिक्त भूमि पर कब्जा कर पट्टे बनाने का गोरखधंधा किसी से छिपी नही है। वर्षभर पुर्व तो ऐसे अधिकार पत्र पटटे की बाढ़ सी आ गई थी। हालांकि इसमें राजस्व विभाग पर सवाल उठे थे। हालांकि अब कालेजरोड में अवैध निर्माण को ढहाने के बाद ग्रामीण वार्डों में बुलडोजर चलाने राजस्व पर दबाव बना हुआ है।

तीजा पर्व के अवसर पर महिला यात्रियों की विशेष सुविधा हेतु 02 जोड़ी तीजा फेस्टिवल गाड़ियों का परिचालन

दल्लीराजहरा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा तीजा पर्व के पावन अवसर पर महिला यात्रियों की विशेष सुविधा को ध्यान में रखते हुए 02 जोड़ी तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। ये गाडियाँ रायपुर-अनूपपुर-रायपुर एवं रायपुर-ताड़ोकी-रायपुर के मध्य चलेगी । छत्तीसगढ़ राज्य में तीजा पर्व विशेष रूप से महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह और परंपरा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सामाजिक और पारिवारिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जिसमें विवाहित महिलाएँ विशेष रूप से अपने मायके जाकर त्यौहार मनाती हैं। इस दौरान ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ भी देखी जाती है 7 इसी संदर्भ में महिला यात्रियों की विशेष सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 02 जोड़ी अतिरिक्त फास्ट मेमू ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिससे खासकर महिलाओं यात्रियों को सुगम, आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 06803/06804 रायपुर-अनूपपुर-रायपुर तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू 24 व 28 अगस्त को एवं गाड़ी संख्या 06805/06806 रायपुर-ताड़ोकी-राजहरा- रायपुर तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू 25 व 29 अगस्त को चलेगी। गाड़ी संख्या 06803 रायपुर-अनूपपुर तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू रायपुर से दिनाँक 24 व 28 अगस्त को 04.50 बजे रवाना होगी। सिलयारी आगमन 05.07 बजे, प्रस्थान 05.09 बजे, तिल्दा आगमन 05.21, प्रस्थान 05.23 बजे, हथबंध आगमन 05.33, प्रस्थान 05.35 बजे, भाटापारा आगमन 05.46, प्रस्थान 05.48 बजे, बिल्हा आगमन 06.13 बजे, प्रस्थान 06.15 बजे, उसलापुर आगमन 07.10 बजे, प्रस्थान 07.15 बजे, करगी रोड आगमन 07.32 बजे, प्रस्थान 07.34 बजे, बेलगहना आगमन 07.47 बजे, प्रस्थान 07.49 बजे, टेंगनमाड़ा आगमन 07.56 बजे, प्रस्थान 07.58 बजे, खोंगसरा आगमन 08.04 बजे, प्रस्थान 08.06 बजे, सारबहरा आगमन 08.40 बजे, प्रस्थान 08.42 बजे, पेंड्रारोड आगमन 08.48 बजे, प्रस्थान 08.50 बजे, जैतहरी आगमन 09.29 बजे, प्रस्थान 09.31 बजे होते हुये 10.15 बजे अनूपपुर स्टेशन पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी गाड़ी संख्या 06804 अनूपपुर-रायपुर तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू अनूपपुर से 24 व 28 अगस्त को 13.30 बजे रवाना होगी। जैतहरी आगमन 13.42 बजे, प्रस्थान 13.44 बजे, पेंड्रारोड आगमन 14.11 बजे, प्रस्थान 14.13 बजे, सारबहरा आगमन 14.18 बजे, प्रस्थान 14.20 बजे, खोंगसरा आगमन 14.58 बजे, प्रस्थान 15.00 बजे, टेंगनमाड़ा 15.08 बजे, प्रस्थान 15.10 बजे, बेलगहना आगमन 15.17 बजे, प्रस्थान 15.19 बजे, करगी रोड आगमन 15.33 बजे, प्रस्थान 15.35 बजे, उसलापुर 16.10 बजे, प्रस्थान 16.15 बजे, बिल्हा आगमन 16.40 बजे, प्रस्थान 16.42 बजे, भाटापारा आगमन 17.10, प्रस्थान 17.12 बजे, हथबंध आगमन 17.27, प्रस्थान 17.29 बजे, तिल्दा आगमन 17.45, प्रस्थान 17.47 बजे, सिलयारी आगमन 18.12 बजे, प्रस्थान 18.14 बजे होते हुये 19.15 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 06805 रायपुर-ताड़ोकी तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू रायपुर से 25 व 29 अगस्त 2025 को 06.00 बजे रवाना होगी। कुम्हारी आगमन 06.11 बजे, प्रस्थान 06.13 बजे, भिलाई आगमन 06.27 बजे, प्रस्थान 06.29 बजे, भिलाई पावर हाउस आगमन 06.33 बजे, प्रस्थान 06.35 बजे, दुर्ग आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 07.00 बजे, मरोदा आगमन 07.11 बजे, प्रस्थान 07.21 बजे, पउवारा हॉल्ट आगमन 07.28 बजे, प्रस्थान 07.29 बजे, रिसमा आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.41 बजे, गुंडरदेही आगमन 07.51 बजे, प्रस्थान 07.52 बजे, सिकोसा आगमन 08.00 बजे, प्रस्थान 08.01 बजे, लाटाबोर आगमन 08.08 बजे, प्रस्थान 08.09 बजे, बालोद आगमन 08.18 बजे, प्रस्थान 08.19 बजे, भैसबोड आगमन 08.27 बजे, प्रस्थान 08.28 बजे, कुसुमकसा आगमन 08.35 बजे, प्रस्थान 08.36 बजे, दल्लीराजहरा आगमन 08.50 बजे, प्रस्थान 08.55 बजे, सलाईटोला आगमन 09.05 बजे, प्रस्थान 09.06 बजे, गुदुम आगमन 09.14 बजे, प्रस्थान 09.15 बजे, भानुप्रतापपुर आगमन 09.29 बजे, प्रस्थान 09.31 बजे, केंवटी आगमन 09.38 बजे, प्रस्थान 09.39 बजे, अंतागढ आगमन 09.52 बजे, प्रस्थान 09.54 बजे होते हुये 10.15 बजे ताड़ोकी स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 06806 ताड़ोकी-रायपुर तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू ताड़ोकी से 25 व 29 अगस्त 2025 को 12.00 बजे रवाना होगी। अंतागढ आगमन 12.14 बजे, प्रस्थान 12.16 बजे, केंवटी आगमन 12.29 बजे, प्रस्थान 12.30 बजे, भानुप्रतापपुर आगमन 12.37 बजे, प्रस्थान 12.39 बजे, गुदुम आगमन 12.53 बजे, प्रस्थान 12.54 बजे, सलाईटोला आगमन 13.02 बजे, प्रस्थान 13.03 बजे, दल्लीराजहरा आगमन 13.13 बजे, प्रस्थान 13.18 बजे, कुसुमकसा आगमन 13.24 बजे, प्रस्थान 13.25 बजे, भैसबोड पहुंचेगी।

सीएससी संचालकों द्वारा श्रमिकों से अधिक शुल्क वसूली पर होगी कार्रवाई

बेमेतरा। श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि श्रमिकों से पंजीयन एवं योजना आवेदन के लिए कॉमन सर्विस सेंटर संचालक केवल निर्धारित शुल्क ही वसूल करें। हाल ही में प्राप्त शिकायतों के आधार पर पाया गया कि कुछ ष्टस्ष्ट संचालक 1000 से 1500 रुपये तक वसूल रहे हैं, जबकि मंडल द्वारा अधिकतम 20 से 30 रुपये शुल्क निर्धारित है। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी ष्टस्ष्ट संचालकों को पंजीयन/योजना हेतु निर्धारित शुल्क की सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करनी होगी। श्रमिकों से केवल निर्धारित शुल्क ही लिया जाए, अधिक शुल्क लेने पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह समय-समय पर मंडल स्तर से निगरानी की जाएगी। शिकायत मिलने पर संबंधित सीएससी संचालक पर विधिसम्मत कार्रवाई होगी। जिला स्तर पर कलेक्टर महोदय के संज्ञान में मामला लाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ष्टस्ष्ट संचालकों एवं ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। पोर्टल पर दर्ज पंजीयन एवं आवेदन की स्वीकृति/निरस्तीकरण की जानकारी भी रेंडम आधार पर जांची जाएगी। पंजीयन एवं योजना आवेदन की स्थिति से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निराकरण होगा। श्रमिकों/हितग्राहियों को श्रमेव जयते मोबाइल एप के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। सभी श्रम कार्यालयों एवं श्रम संस्थानों से श्रमिकों को ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। श्रमायुक्त कार्यालय ने साफ किया है कि श्रमिकों के हितों की रक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तय सीमा से अधिक शुल्क लेने वाले सीएससी संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

निगम जोन 8 ने वार्ड 19 में स्वीकृति विपरीत अवैध निर्माण को हटाया

रायपुर। राजधानी में इन दिनों नगर निवेश से बिना अनुमति एवं नियम विरुद्ध नक्शा पारित कर अवैध निर्माण करने वाले भूमाफियाओं पर ठोस कार्रवाई की जा रही है। नगर निवेश द्वारा ऐसे ही कई लोगों का अवैध निर्माण तोड़ा गया है। यह कार्रवाई नगर निगम द्वारा विभिन्न जोन में की जा रही है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार इस समय राजधानी के आउटर इलाके में अवैध निर्माण का काम धड़ल्ले से चल रहा है भाठागांव पिरदा तथा गोगांव में कई भूमाफियाओं द्वारा यह काम कराया जा रहा है। नगर निगम द्वारा इसे तत्काल तोड़ने का आदेश दिया गया है। निगम से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर निगम जोन 8 अंतर्गत वार्ड ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 19 के क्षेत्र में स्वीकृति के विपरीत किये गए अवैध निर्माण को हटाए जाने की कार्यवाही अभियान चलाकर की गयी. जोन 8 जोन कमिश्नर के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग के उप अभियंता श्री लोचन प्रसाद चौहान और श्री अबरार खान की उपस्थिति में तत्काल स्वीकृति विपरीत अवैध निर्माण को स्थल पर तोड़ा गया।

सीजी-रेरा ने लॉन्च की वॉलंटरी कंप्लायंस स्कीम, विलंब शुल्क में 90 प्रतिशत तक की छूट

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने एक नई 'वॉलंटरी कंप्लायंस स्कीम' शुरू की है। यह योजना सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लाभ उठाकर रियल एस्टेट प्रमोटर अपनी लंबित रिपोर्ट जमा कर सकते हैं। इस स्कीम के तहत, 31 मार्च 2024 तक पंजीकृत सभी प्रोजेक्ट्स के प्रमोटर्स को एक साथ अपनी तिमाही प्रगति रिपोर्ट और वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की सुविधा दी गई है। इस पहल का मकसद उन प्रमोटरों को राहत देना है जो किसी कारणवश अपनी रिपोर्ट्स समय पर जमा नहीं कर पाए थे। विलंब शुल्क में छूट: जो प्रमोटर्स अपनी लंबित रिपोर्ट्स जमा करते हैं, उन्हें विलंब शुल्क में 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। 90 प्रतिशत तक की भारी छूट: जिन प्रोजेक्ट्स के पास वैध 'कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र है, उन्हें विलंब शुल्क में 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। सीजी-रेरा ने इस योजना को रियल एस्टेट सेक्टर में नियमों के पालन की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। अथॉरिटी ने सभी प्रमोटरों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी सभी रिपोर्ट्स प्रस्तुत करें। इस योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी सीजी रेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रमोटर परिपत्र संख्या 115, 116 और 119 में भी अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गणेश विसर्जन के लिए महादेव घाट की विशेष साफ सफाई

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर महादेवघाट में गंदगी होने की जनशिकायत के त्वरित निदान हेतु नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग की विशेष सफाई गैंग ने नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर लगातार एक सप्ताह तक महादेवघाट में घाट व पचरी की सघन सफाई करवाकर कचरा गंदगी उठवाकर जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु स्वच्छता कायम की। गणेश उत्सव पर्व के पूर्व महापौर के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रिती सिंह ने प्रतिदिन एक सप्ताह तक निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरिजेश तिवारी की उपस्थिति में महादेवघाट की सफाई का निरीक्षण कर समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये एवं स्वच्छता कायम की। वर्तमान में महादेवघाट की सफाई की मॉनिटरिंग महापौर के निर्देश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रतिदिन की जा रही है एवं श्रीगणेश उत्सव हेतु पूर्ण स्वच्छता कायम करने अभियान प्रतिदिन जारी है। नागरिको से नदी में कचरा व गंदगी नहीं डालने एवं स्वच्छता कायम रखने सहभागिता दर्ज करवाने की अपील महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम की ओर से की है।

राशन दुकानदारों ने कमीशन बढ़ाने तथा क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की

रायपुर। शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ के आव्हान पर सभी 14 हजार से अधिक राशन दुकानदार आगामी एक सितंबर से हड़ताल पर चले जाने की घोषणा की है। संघ की मांग है कि चावल गेहूं शक्कर के वितरण का काम राशन दुकानदारों द्वारा किया जाता है। लेकिन कमीशन में वृद्धि नहीं की जा रही है। इसके अलावा क्षतिपूर्ति भी नहीं मिलने से दुकानदार परेशान है। शासकीय राशन दुकानदार विक्रेता कल्याण संघ के प्रमुख विजय कुमार घृतलहरे ने बताया कि राज्य में शासकीय मूल्य पर चावल का वितरण का काम दुकानदारों द्वारा किया जाता है। जबकि दुकानदारों पर कई जिलों में जानलेवा हमला किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का किया राज्य स्तरीय शुभारंभ

पर्यावरण के प्रति जागरूक हो ज्यादा से ज्यादा संख्या में लगाएं पौधे

- उप मुख्यमंत्री श्री साव और अन्य अतिथियों ने लगाए सिंदूर के पौधे
- अभियान के तहत प्रदेशभर में 444 परियोजनाएं स्वीकृत, 1.66 लाख पौधे लगाए जाएंगे

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के कौशल्या विहार (कमल विहार) में 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर हम सभी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे लगाना चाहिए। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नंद कुमार साहू, विधायक श्री मोतीलाल साहू और रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे भी अभियान के शुभारम्भ कार्यक्रम में शामिल हुईं। सभी ने कार्यक्रम स्थल पर सिंदूर के पौधे लगाकर 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण के लिए 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान से स्वसहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा गया है। वे इस अभियान में चयनित स्थलों पर वृक्षारोपण करेंगी और पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा भी करेंगी। इस अभियान से 1701 समूहों की 2300 से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है। भारत सरकार द्वारा अभियान के तहत राज्य के नगरीय निकायों में वृक्षारोपण के लिए 444 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। विधायक श्री मोतीलाल साहू ने 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान के शुभारम्भ के मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में लगातार वृक्षारोपण के काम हो रहे हैं। पर्यावरण के संरक्षण के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने में इससे मदद

मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान को महिलाओं के माध्यम से अमलीजामा पहनाया जाएगा। हम सभी को भी इसमें सहभागिता देनी है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कार्यक्रम में बताया कि 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम में 60 स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए स्वसहायता समूहों की 232 महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया है। मातृशक्ति ही इस अभियान को आगे बढ़ाएंगी। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ ही महिलाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा। रायपुर नगर निगम के सभापति श्री सूर्यकांत राठौर, आयुक्त श्री विश्वदीप, सुडा के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय और गजराज बांध संरक्षण समिति के अध्यक्ष श्री पी.के. साहू सहित जोन अध्यक्षगण, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण तथा स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में मौजूद थे। शहरों में हरित स्थानों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए महिला स्वसहायता समूहों की सहभागिता बढ़ाने वीमेन फॉर ट्रीज अभियान शुरू किया गया है। यह भारत सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित है। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की अनूठी पहल अमृत मित्र (अमृत 2.0 और डे-एनयूएलएम का अभिसरण) के तहत स्वसहायता समूहों को प्रेरित करने इस वृक्षारोपण अभियान को प्रारंभ किया गया है। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों में सरकारी स्वामीत्व की भूमियों, वाटर बॉडीज, आंगनबाड़ियों, सरकारी अस्पतालों, स्कूलों, उद्यानों, एसटीपी डब्ल्यूटीपी, एसएलआरएम सेंटर्स, मुक्तिधामों, कृष्णकुंजों, गौठानों, धार्मिक स्थलों, एएचपी आवासों, रोड डिवाइडर्स इत्यादि में महिला समूहों के माध्यम से वृक्षारोपण किए जाएंगे। वीमेन फॉर ट्रीज अभियान के क्रियान्वयन के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों और नगरीय निकायों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ की जनजातियों पर शोध और अनुसंधान की राह खुली.....

- गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय और टी.आर.के.सी. के बीच हुआ एमओयू
- छत्तीसगढ़ की जनजातियों को मिलेगी नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में निवास करने वाली जनजातियों पर विशेष शोध और अनुसंधान की राह खुल गई है। राज्य की जनजातियों की गौरवशाली परंपरा, उनकी संस्कृति और उनके आर्थिक-समाजिक ताने-बाने को लेकर अब विद्यार्थी उच्च स्तरीय शोध कर पाएंगे। राज्य के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय और ट्रायबल रिसर्च एण्ड नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के बीच इसके लिए महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। टीआरकेसी विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय जनजातियों के बारे में शोध कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संस्था है। विश्वविद्यालय के ओर से इस एमओयू पर कुलसचिव प्रो. अभय एस रणदिवे और टीआरकेसी की ओर से छत्तीसगढ़ प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत् संस्था द्वारा अगले तीन वर्षों तक छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों पर शोध कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे, वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा कार्यप्रमुख श्री वैभव सुरंगे सहित अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। एमओयू के बारे में टीआरकेसी के राज्य प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने बताया कि टीआरकेसी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जनजातीय विषयों पर शोध कार्यों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण संस्था है। गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर से एमओयू के बाद छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातीयों पर रिसर्च तेज होगी।

हुड़दंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना बसंतपुर पुलिस ने मोहल्ले में हो-हुडदंग करने वाले दो आरापियों को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओ के तहत् कार्यवाही की गई है। बता दें कि राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के दिशा निर्देश पर असमाजिक तत्वो पर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। इसी कड़ी में निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर के नेतृत्व पर थाना क्षेत्रान्तर्गत परिशांत भंग कर मोहल्ले में हो-हुल्लड़ करने वाले अनावेदक संतोष मरकाम पिता स्व. रामअवतार मरकाम उम्र 23 साल निवासी बसंतपुर के विरूद्ध धारा 170, 126,135(3)बीनएसएसएस के तहत् कार्यवाही किया गया तथा अभियान के तहत् गिरफ्तारी वारंटी भागवत नेताम उर्फ पण्डा।

अहंकार मिटाना है तो दूसरों को श्रेय दें-मनीष सागरजी महाराज

लक्ष्य को पाने मन हो मजबूत और परिस्थितियों से घबराना नहीं चाहिए

रायपुर। संवाददाता

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के दूसरे दिन गुरुवार को परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने अहंकार को त्यागने की सीख दी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमें अपने जीवन में सद्गुणों को धारण करना है। इसका शुभ संकल्प करें। जीवन में अहंकार को मिटाओ और सत्य को पाओ, यह लक्ष्य होना चाहिए। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमें अपने जीवन में सबसे पहले यह शिक्षा लेना आवश्यक है। अहंकार मिटेगा तभी हम सत्य को पाने लायक बनेंगे। अहंकार का हिमालय हमारे भीतर में है। आवश्यकता है

बस पर्दा हटाने की। अहंकार सबके भीतर है। मौका पड़ने पर हमारा मन शांत रहे। हमारा बर्ताव, व्यवहार अपने बड़े बुजुर्गों के प्रति वैसा ही रहे जैसे छोटों का होना चाहिए। तब मानना की भीतर अहंकार नहीं है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अहंकार को दबाकर जीवन का विकास करते जाओ। जब-जब भी अच्छा काम करें उसका श्रेय अपने देव,गुरु और धर्म को दें। देव,गुरु और धर्म की कृपा से ही अच्छा हुआ है। अहंकार रूपी राक्षस ऐसे ही दबेगा जब आप अच्छे कार्य का श्रेय स्वयं ना लेकर देना सीख जाएंगे। अपनी प्रकृति के साथ संघर्ष करें। अपने व्यवहार को बदलें। वक्रता की जगह सरलता लाने का प्रयास करें। सरलता और अज्ञान रहेगा तो दिक्कत नहीं है। वक्रता और अज्ञान रहेगा तो बहुत खतरनाक है। गुण ग्रहण व दोष निवारण की बात आए तो ऐसे बने जैसे गौतम स्वामीजी भगवान महावीर स्वामी का समक्ष बन जाते थे। उपाध्याय भगवंत ने कल्पसूत्र का वांचन प्रारंभ किया। श्री कल्पसूत्र के माध्यम से जीवन जीने की कला की सीख दी।

छत्तीसगढ़ की जनजातियों पर शोध और अनुसंधान की राह खुली.....

- गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय और टी.आर.के.सी. के बीच हुआ एमओयू

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में निवास करने वाली जनजातियों पर विशेष शोध और अनुसंधान की राह खुल गई है। राज्य की जनजातियों की गौरवशाली परंपरा, उनकी संस्कृति और उनके आर्थिक-समाजिक ताने-बाने को लेकर अब विद्यार्थी उच्च स्तरीय शोध कर पाएंगे। राज्य के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय और ट्रायबल रिसर्च एण्ड नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के बीच इसके लिए महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। टीआरकेसी विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय जनजातियों के बारे में शोध कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संस्था है। विश्वविद्यालय के ओर से इस एमओयू पर कुलसचिव प्रो. अभय एस रणदिवे और टीआरकेसी की ओर से छत्तीसगढ़ प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत् संस्था द्वारा अगले तीन वर्षों तक छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों पर शोध कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे, वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा कार्यप्रमुख श्री वैभव सुरंगे सहित अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। एमओयू के बारे में टीआरकेसी के राज्य प्रभारी श्री राजीव शर्मा ने बताया कि टीआरकेसी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जनजातीय विषयों पर शोध कार्यों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण संस्था है। गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर से एमओयू के बाद छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातीयों पर रिसर्च तेज होगी। उन्होंने बताया कि राज्य की पुरातन और गौरवशाली जनजातीय के कई अनछुए पहलुओं और उनकी सभ्यता और संस्कृति के बारे में इन शोधों से आम नागरिकों को भी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। इन शोध कार्यों से सरगुजा और बस्तर के क्षेत्रों की विभिन्न जनजातियों के आदिकालीन सामाजिक संगठन, उनके अर्थशास्त्र, सुशासन।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता विजय जामनिक निलंबित

रायपुर। राज्य सरकार ने जल संसाधन विभाग के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता विजय जामनिक को गंभीर वित्तीय अनियमितता और शासकीय निधि की सुरक्षा में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जशपुर जिले की सुसडेगा व्यपवर्तन योजना में सामने आई गड़बड़ियों के चलते की गई है। विभागीय दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि विजय जामनिक ने अनुबंध की शर्तों को नजरअंदाज करते हुए, ठेकेदार द्वारा जमा की गई अतिरिक्त सुरक्षा निधि — कुल 2.93 करोड़ रुपये — कार्य अधूरा रहने के बावजूद समय पूर्व लौटा दी। इसमें 1.46 करोड़ रुपये की दो एफ्डीआर (संख्या 1764903 और 1764904) शामिल हैं। फ्लिहाल परियोजना का कार्य केवल 60 प्रतिशत ही पूरा हो सका है और ठेकेदार द्वारा शेष कार्य को पूरा करने में कोई गंभीर पहल नहीं की जा रही है। ऐसी स्थिति में यदि ठेकेदार कार्य अधूरा छोड़ देता है, तो विभाग उस राशि को जब्त नहीं कर पाएगा, जिससे विभागीय हितों को नुकसान पहुंचा है। इस पूरे प्रकरण को वित्तीय अनियमितता और अनुशासनहीनता की श्रेणी में मानते हुए, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत जामनिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बालोद में सीटी स्कैन मशीन का किया शुभारंभ

- 04 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन की सुविधा हुई प्रारंभ
- बालोद जिले एवं अंचल के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज बालोद जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय बालोद में विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजा-अर्चना के पश्चात् फीता काटकर सीटी स्कैन मशीन का विधिवत् शुभारंभ किया। इस दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने जिला चिकित्सालय बालोद में मरीजों के लिए 04 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन की सुविधा प्रारंभ हो जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते इसे बालोद जिले एवं अंचल के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात बताया। इसके लिए उन्होंने संपूर्ण बालोद जिले वासियों के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में मरीजों के लिए सीटी स्कैन मशीन की सुविधा प्रारंभ हो जाना स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात है। जिला चिकिल्सालय बालोद में इसकी सुविधा प्रारंभ हो जाने से अब जिले एवं अंचल के मरीजों को सिर में चोट, स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर और अन्य मस्तिष्क संबंधी समस्याओं के अलावा फेफड़ों के संक्रमण, निमोनिया, फेफड़ों के कैंसर और हृदय संबंधी समस्याओं के अलावा पेट दर्द, ट्यूमर, पथरी एवं आंतो आदि की समस्याओं का पता लगाने के लिए सीटी स्कैन की सुविधा अत्यंत कारगर साबित होगी। इस अवसर पर मंत्री श्री जायसवाल एवं अतिथियों ने सीटी स्कैन कक्ष में पहुँचकर नया एवं अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने सीटी स्कैन कक्ष बेहतर व्यवस्था की भी सराहना की। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय बालोद में रेडियोलाजिस्ट, टेक्नीशियन एवं अन्य स्टाफ के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया, गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्ण ग्राम सुराज और स्वावलम्बन की दिशा में नया संकल्प

पूर्ण ग्राम सुराज और स्वावलम्बन की दिशा में नया संकल्प उपमुख्यमंत्री विजय की अध्यक्षता में कार्यशाला सम्पन्न.....

रायपुर/ संवाददाता

गाँवों के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता की अवधारणा को साकार करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आज नया रायपुर स्थित ग्रामीण संपर्क एवं प्रशिक्षण संस्थान, झांझ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभा को और अधिक मजबूत बनाना तथा ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, उत्तरदायी और निर्णायक बनाने की दिशा में ठोस पहल करना था। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति गाँव की चौपाल और ग्राम सभा में निहित है। ग्राम सभा के निर्णय ही गाँव के विकास का

आधार बन सकते हैं और इसीलिए आवश्यक है कि पंचायतें न केवल योजनाओं को लागू करें बल्कि जनता की आकांक्षाओं को दिशा देने वाली संस्था के रूप में कार्य करें। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को पाँच अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया। जहाँ ग्राम सभा के सशक्तीकरण, वित्तीय विकेन्द्रीकरण, पंचायतों पर नियंत्रण, सामाजिक सहभागिता तथा अधिकार एवं कर्तव्यों के विभाजन जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। समूह चर्चा के दौरान पंचायतों की वर्तमान व्यवस्था का मूल्यांकन करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए, जिनसे भविष्य में ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त तथा उत्तरदायी बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला में श्री सुनील कुमार सिंह, सेवानिवृत्त सचिव भारत सरकार, प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सचिव श्री भीम सिंह, नरेगा आयुक्त श्री तारन प्रकाश सिन्हा, पंचायत संचालक श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, स्वच्छ भारत मिशन के मिशन संचालक श्री अश्वनी देवांगन सहित जिला एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टीआरआई फाउंडेशन, यूनिसेफ पिरामल फाउंडेशन और समर्थन जैसी प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी अपनी सहभागिता दर्ज करायी।

संपादकीय

समूची दुनिया में मौसम के बिगड़ते स्वरूप को लेकर जताई जा रही है चिंता

कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। मौसम की अपनी गति होती है और सामान्य स्थितियों में वह पारिस्थितिकी चक्र को बनाए रखने का एक जरूरी हिस्सा होती है। मगर पिछले कुछ समय से इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव दर्ज किया जा रहा है और खासतौर पर बारिश की वजह से होने वाली तबाही की तस्वीर ज्यादा बिगड़ती जा रही है। यों हर वर्ष मानसून के पूरे मौसम में बारिश की वजह से देश के ज्यादातर हिस्से कम या ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि बरसात अब बेलगाम हो रही है और तबाही का सिलसिला-सा बनता जा रहा है।पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और हर्षिल में, फिर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और उससे हुई जानमाल की भारी तबाही की जैसी घटनाएं हुई, उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के लोगों को भी दहला दिया। अब कश्मीर के कठुआ में भी बादल फटने और भूस्खलन की घटना में सात लोगों की जान चली गई। दूसरी ओर, मुंबई में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद हालत यह हो गई, मानो शहर में बाढ़ आ गई हो। वहां कई इलाकों में जलभराव की वजह से जनजीवन पूरी तरह बाधित हो गया, कई जिलों में चेतावनी जारी कर दी गई है। वहीं मराठवाड़ा क्षेत्र में बादल फटने की घटना में नांदेड़ के पांच लोगों के लापता होने की खबर आई।इसी तरह, हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई इलाकों में जिस तरह लगातार बार-बार बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे समूची स्थानीय आबादी के सामने किसी तरह खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो रही है। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि कम या ज्यादा बरसात वाले जिस मानसून को देश की खेती-किसानी के लिए एक जरूरत के तौर पर देखा जाता था, अब वह कई राज्यों में व्यापक तबाही का कारण क्यों बन रहा है। कई इलाकों में अब बारिश के समांतर बादल फटने की घटना में भी इतनी तेजी से बढ़ोतरी क्यों देखी जा रही है? दूसरी ओर, कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। नतीजतन, दिल्ली जैसे महानगर का बड़ा हिस्सा कुछ देर की घनघोर बरसात में ही जलभराव, सड़क जाम से त्रस्त हो जाता है और पेड़ों के गिरने से होने वाले जानमाल के नुकसान की अनेक घटनाएं सामने आती हैं।

सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है।

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं

की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे।

दुनिया के चौधरी बने अमेरिका की धड़ाधड़ बंद हो रही दुकान ...भारत ने ब्रिक्स में चल दी ये तगड़ी चाल

(दिनेश मिश्र)

दुनिया के चौधरी बने फिर रहे अमेरिका के दिन अब लदने वाले हैं। दूसरी बार अमेरिका की सत्ता संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ये लगा था कि वो पूरी दुनिया में अपनी बात मनवा लेंगे। मगर, उनकी यह कोशिश नाकाम हो चुकी है। ट्रंप बार-बार अपने मंसूबे में फेल हो रहे हैं। उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताने के बावजूद 50 फीसदी टैरिफ लगाकर अचानक गच्चा दे दिया। वहीं, रूस से तेल न खरीदने को लेकर धमकियां भी दे डाली थी। ऐसे में भारत ने भी खुद को संप्रभु राष्ट्र बताते हुए ट्रंप को साफ कर दिया था कि हम झुकने वालों में से नहीं हैं। अब इससे एक कदम और आगे जाकर भारत ने ब्रिक्स के रूप में नई चाल चल दी है।

भारत ने ऐसा क्या कर दिया, जिससे परेशान अमेरिका: दरअसल, ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ के जवाब में भारत ने भी चुपचाप एक चाल चल दी। नवभारत टाइम्स पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बैंकों को बिना पूर्व अनुमति के और अधिक वोस्ट्रो खाते खोलने का निर्देश दिया गया है। वेबसाइट वेचरगुरु पर छपी रिपोर्ट के हवाले से ये बताया गया था कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि बैंक अब दूसरे देशों के आयात-निर्यात व्यवसायों को विशेष वोस्ट्रो खातों के माध्यम से रुपये में व्यापार निपटान की अनुमति दे सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के प्रभुत्व में गिरावट और तेज हो सकती है। अमेरिकी की बड़ी परेशानी की वजह यही है।

रिक-यह भी दे रहा है ट्रंप को सिरदर्द: डोनाल्ड ट्रंप को एक और बात से बड़ा सिरदर्द हो रहा है। वह है आरआईसी का मंच तैयार करना। ट्रंप की चिंता यही है कि भारत उसके दो प्रतिद्वंद्वियों रूस और चीन के करीब जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने गए थे। वहां उन्होंने इस बात के संकेत दिए थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वहां जा सकते हैं। ऐसे में ट्रंप की टेंशन बढ़ना स्वाभाविक है।

रूस-यूक्रेन युद्ध भी नहीं खत्म करा पाए: ट्रंप ने वादा किया था कि वो रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म करा देंगे। मगर, वह इतने दिन बाद भी ऐसा नहीं करा पाए। वह भारत-पाकिस्तान में सीजफायर का भी दावा कर चुके थे। मगर, भारत ने बार-बार सिरे से उनकी बात का खंडन कर दिया था। ऐसा कोई दावा और किसी देश ने भी नहीं किया था। उनका हर दावा झूठा निकला है। ब्रिक्स क्या है, इसका मकसद क्या है काउंसिल ऑन फारेन रिलेशंस-पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिक्स में शामिल देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच नए सदस्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक समूह हैं। ये सदस्य वैश्विक व्यवस्था में अपना प्रभाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। 2009 में ब्रिक्स की स्थापना इस आधार पर की गई थी कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं पर पश्चिमी शक्तियों का अत्यधिक प्रभुत्व था और वे विकासशील देशों की को मदद देने से पीछे हट रही थीं। इस समूह ने अपने सदस्यों की आर्थिक और कूटनीतिक नीतियों में तालमेल बनाने, नए वित्तीय संस्थानों की स्थापना करने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।

ब्रिक्स क्यों महत्वपूर्ण है, अमेरिका परेशान: यह गठबंधन कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि गैर-पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं का एक स्वतंत्र समूह है जो एक साझा लक्ष्य के इर्द-गिर्द आर्थिक और कूटनीतिक प्रयासों का समन्वय करता है। ब्रिक्स देश विश्व बैंक , ग्रुप ऑफ़ सेवन (जी7) और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख बहुपक्षीय समूहों में पश्चिमी दृष्टिकोण के प्रभुत्व के विकल्प के रूप में एक विकल्प बनाने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा, ब्रिक्स 24 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला बाजार है। इसी पर अमेरिका की नजर है।

यह भी है बड़ी वजह : समूह का 2024 का विस्तार कई भू-राजनीतिक निहितार्थों के साथ आया है। यह बढ़ती आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत का प्रतीक है। 11 ब्रिक्स देश अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई से ज्यादा और दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह समूह गाजा पट्टी और यूक्रेन में युद्धों , वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के स्वरूप, चीन और पश्चिम के बीच प्रतिस्पर्धा और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन के प्रयासों पर प्रभाव डालने के लिए तैयार है। हालांकि, बढ़ती सदस्यता के साथ नई चुनौतियां भी आ रही हैं, जिनमें पश्चिमी देशों और समूह के भीतर विभाजनों से बढ़ता प्रतिरोध भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रिक्स सदस्य इन तनावों से कैसे निपटते हैं, यह तय करेगा कि क्या यह समूह वैश्विक मंच पर एक अधिक एकीकृत आवाज बन पाएगा।

ऐसे हुई थी ब्रिक्स की पैदाइश

यह शब्द मूल रूप से गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ-नील द्वारा 2001 के एक शोध पत्र में गढ़ा गया था , जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि तत्कालीन ब्रिक देशों (ब्राजील, रूस, भारत और चीन) की वृद्धि प्रमुख जी 7 धनी अर्थव्यवस्थाओं को चुनौती देने के लिए तैयार थी।

घुमन्तु समाज को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए जरुरी केंद्र व राज्य सरकारों की इच्छाशक्ति

डॉ अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

भारत की सांस्कृतिक विविधता में घुमंतू समाज एक अनमोल रत्न की तरह है, जो अपनी अनूठी जीवनशैली और परंपराओं के साथ देश की सामाजिक-आर्थिक संरचना का अभिन्न हिस्सा रहा है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यह समाज, दशकों से अपनी खानाबदोश प्रकृति के कारण मुख्यधारा से कटा हुआ है और आज भी मूलभूत सुविधाओं व अधिकारों से वंचित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों तक उनकी पहुंच बेहद सीमित है। ऐसे में सवाल उठता है कि आज हम आजादी के 80वें साल में तो प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन घुमन्तु समाज के कल्याण व उत्थान के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा पाएं हैं? क्या घुमंतू समाज के उत्थान को ध्यान में रखकर उन्हें सामाजिक और शैक्षिक रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में शामिल नहीं किया जा सकता? क्या राष्ट्रीय स्तर के कॉमन आइडेंटिटी कार्ड नहीं बनाया जा सकता? क्या उनके लिए प्रत्येक तहसील स्तर पर धर्मशाला जैसी अस्थायी आवास सुविधा का निर्माण नहीं किया जा सकता? ये केवल सवाल ही नहीं जवाब और सुझाव भी हैं, जिन पर केंद्र व राज्य सरकारें अमल करके, देश की लगभग 10 फीसदी आबादी को मुख्यधारा में जोड़ सकती हैं।

कई राज्यों में घुमन्तु समुदाय को लेकर बोर्ड का गठन किया गया है, सबसे अधिक जनसंख्या के लिहाज से मध्य प्रदेश जैसे राज्य में तो अलग मंत्रालय भी हैं लेकिन घुमंतुओं का जीवन स्तर जस का तस है। जन्म से ही आपराधिक प्रवत्ति का घोषित कर दिए गए इस समाज के उत्थान को लेकर अब तक की सभी सरकारों ने जो कदम उठाएं हैं उसकी बानगी घुमंतुओं की वर्तमान परिस्थिति में साफ़ झलकता है।

ये समुदाय, जिनमें बंजारा, गडिया लोहार जैसे अन्य कई शामिल हैं, अपनी आजीविका के लिए कई तरह के पारम्परिक व्यवसायों पर निर्भर रहता है, लेकिन आधुनिकरण और शहरीकरण ने अब उनकी आजीविका को भी खतरे में डाल दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि कई बार तो उन्हें अपने मृत परिजनों का अंतिम संस्कार करने तक की जगह नहीं मिलती क्योंकि जिस गाँव या इलाके से वह गुजर रहे होते हैं वहां के लोग उनके साथ अछूतों जैसा व्यवहार करते हैं, ऐसे में उनके साथ हमारा समाज मानवता का कितना परिचय देता होगा, समझा जा सकता है। हालाँकि यह दुखद आंकड़े ही हमें उनके बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। मेरे सुझाव में घुमंतू समाज को सामाजिक और शैक्षिक रूप से ओबीसी की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। यह कदम उन्हें सरकारी योजनाओं, आरक्षण, और अन्य लाभों तक पहुंच प्रदान करेगा। यह न केवल उनकी गरिमा को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर भी देगा। दूसरा उपाय उन्हें एक राष्ट्रीय स्तर के कॉमन आइडेंटिटी कार्ड से जोड़कर किया जा सकता है। यह कार्ड घुमंतू समाज के लिए किसी गेम चेंजर से कम नहीं होगा। उनकी लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के लिए यह कार्ड उन्हें कहीं से भी मतदान करने, राशन लेने, बच्चों को स्कूल भेजने, अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने और रोजगार के अवसरों को अपनाने में सक्षम बनाना सुनिश्चित कर सकता है। कम शब्दों में समझें तो यह कार्ड उनकी पहचान को एकजुट करेगा और उनके अधिकारों को सुरक्षित करेगा, चाहे वे कहीं भी हों।

इसके अलावा, राज्यों में तहसील स्तर पर धर्मशाला जैसी अस्थायी आवास सुविधा का निर्माण भी किया जा सकता है। इन स्थानों पर स्वच्छता, पेयजल, बिजली और सुरक्षा जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह न केवल उनके जीवन को सम्मानजनक बनाएगा, बल्कि उनकी घुमक्कड़ी प्रकृति को भी संरक्षित रखेगा।

हमें एक आदर्श समाज का उदाहरण बनते हुए यह नहीं भूलना चाहिए कि घुमंतू समाज भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक जीवंत हिस्सा है। उनकी अनूठी जीवनशैली को सम्मान देते हुए, हमें उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। केंद्र सरकार के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। निश्चित तौर पर इन सुझावों को लागू कर के, घुमंतू समाज का जीवन स्तर बेहतर किया जा सकता है और भारत के समावेशी विकास के सपने को और मजबूती दी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में वरिष्ठ इस्लामिक स्टेट सदस्य अरेस्ट

दमिश्क़, एजेंसी। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने उत्तर-पश्चिम सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक वरिष्ठ सदस्य को गिरफ्तार किया है। बुधवार को चलाए गए इस अभियान की पुष्टि सीरियाई मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने की। अधिकारियों ने पहचान का खुलासा नहीं किया है, ऐसे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पकड़ा गया शख्स आईएस का सर्वोच्च नेता है या कोई आम सदस्य। सूत्रों के अनुसार, इराकी नागरिक और आईएस कमांडर अबू हाफिज अल-कुरैशी को तुर्किये की सीमा के पास आतमेह कस्बे में हेलीकॉप्टर से उतरे सैनिकों ने पकड़ा। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, इस अभियान के दौरान एक अन्य इराकी नागरिक मारा गया। निगरानी समूह का दावा है कि गिरफ्तार शख्स के साथ फ्रेंच बोलने वाली एक महिला भी पकड़ी गई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उसे अमेरिकी बलों ने पकड़ा या बाद में सीरियाई सुरक्षा बलों ने। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक गिरफ्तार शख्स का नाम सलाह नोमान है। वह अपने परिवार के साथ एक अपार्टमेंट में रह रहा था।

इस्राइल में वेस्ट बैंक सेटलमेंट परियोजना को मंजूरी

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक बस्ती बसाने की विवादास्पद परियोजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। परियोजना लागू होने के बाद वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंट सकता है। इस मामले में फलस्तीनी और मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में स्वतंत्र फलस्तीनी की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। बुधवार को वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस मंजूरी को पश्चिमी देशों के को इस्राइल का करारा जवाब बताया। स्मोट्रिच ने कहा, स्वतंत्र फलस्तीन अब नारेबाजी से नहीं बल्कि ठोस कदमों से मिटाया जा रहा है। हर बस्ती, हर मोहल्ला और हर मकान इस खतरनाक विचार के ताबूत में एक और कील है। इस्राइल के इस निर्णय को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने और शांति प्रक्रिया के लिए गंभीर झटका माना जा रहा है। बता दें कि यरूशलम के पूर्व में ई1 क्षेत्र में इस्राइल बस्ती विकसित करने की योजना बना रहा है। बीते दो दशकों से इस पर विचार हो रहा था, लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण अब तक इस पर कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

कांगो और एम23 विद्रोहियों के बीच शांति समझौते की कोशिश

किंशासा, एजेंसी। कांगो सरकार और रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के बीच एक शांति समझौते का मसौदा तैयार हुआ है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य- उन इलाकों पर फिर से सरकारी नियंत्रण लाना है, जिन पर फिलहाल एम23 का कब्जा है। यह समझौता कतर की पहल पर तैयार किया गया है और इसमें शांति कायम करने के लिए तीन चरणों वाली प्रक्रिया का जिक्र है। आने वाले दिनों में दोनों पक्ष कतर की राजधानी दोहा में बैठकर इस मसौदे पर चर्चा करेंगे। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी अभी इस मसौदे से संतुष्ट नहीं हैं। वहीं, बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट ने कहा कि राष्ट्रपति का मानना है कि मसौदा अभी अधूरा और असंतोषजनक है। वहीं, एम23 के नेता बर्टेंड बिसिमवा ने इस मसौदे पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि अभी उनका ध्यान युद्धविराम लागू करने और कैदियों की रिहाई पर है, जो पहले से तय किए गए दोहा घोषणापत्र का हिस्सा हैं।

बोलीविया में चुना जाएगा नया राष्ट्रपति

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया में नया राष्ट्रपति चुना जाएगा। यह चुनाव देश में लगभग 20 साल से चल रही समाजवादी सरकार से बदलाव की ओर इशारा करता है। लेकिन आदिवासी समुदायों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं है कि इससे अमेजन जंगलों की कटाई, आग या प्रदूषण जैसी समस्याएं रुकेंगी। 19 अक्तूबर को होने वाले चुनाव में दो नेता मध्यमार्गी रोड्रिगो पाज और दक्षिणपंथी जॉर्ज टूटो क्विरोगा आमने-सामने हैं। दोनों बदलाव का वादा कर रहे हैं, लेकिन उनका आर्थिक मॉडल वही है, जिसने अब तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। अमेजन जंगल नौ देशों में फैला हुआ है और यह दुनिया की जलवायु और कार्बन संतुलन के लिए बहुत अहम है।

आईडीएफ ने शुरू किया गाजा पर कब्जा अभियान

यरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने की अपनी अहम रणनीति के तहत बुधवार को युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इजरायली सेना के जवान गाजा पट्टी में अंदर घुस गए। इजरायली सेना के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने घोषणा की कि इजरायल ने युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है और सेना गाजा शहर के बाहरी इलाके में पहुंच गई है। वहां विस्थापित निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। आईडीएफ के इस कदम से अंतर्राष्ट्रीय चिंता पैदा हो गई है और फिलिस्तीनी राज्य के भविष्य पर बहस फिर से शुरू हो गई।

इजरायल की तरफ से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब वार्ताकार मिस्र इजरायल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगा हुआ है। इस बीच, एक अहम रणनीति का खुलासा करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि वह गाजा शहर पर कब्जा करने की आईडीएफ की योजनाओं की समय सीमा कम कर रहे हैं। यह घोषणा रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर द्वारा पेरिस में कतर के अधिकारियों के साथ वार्ता पर चर्चा के एक दिन बाद की गई।

नहीं दे सकते पांच महीने : जब सुरक्षा कैबिनेट ने पहली बार गाजा शहर पर कब्जा करने की मंजूरी दी थी, तब इजरायली अधिकारियों ने अनुमान जताया था कि इस योजना में पाँच महीने या उससे ज़्यादा का समय लग सकता है लेकिन बुधवार को नेतन्याहू ने सेना को समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है। बुधवार की शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सेना को आतंकवादियों के अंतिम गढ़ों पर कब्जा करने और हमास को हराने की समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है, जो गाजा शहर में आईडीएफ के आगामी हमले का संकेत है। नेतन्याहू ने ट्रुथ्स से साफ कहा है कि इसके लिए पांच महीने नहीं दे सकते।

सीजफायर प्रस्ताव पर भी नजर : हालाँकि पिछले कुछ दिनों में बंधकों की रिहाई के समझौते पर पहुँचने की गति तेज हुई है। बावजूद, इसके नेतन्याहू ने ऐसे प्रयासों को लगातार खारिज किया है और इस महीने की शुरुआत में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत योजना के बजाय गाजा पट्टी में लड़ाई तेज़ करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, उन्होंने युद्धविराम के नवीनतम प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है।

60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश : दूसरी तरफ, जैसे-जैसे गाजा शहर पर बड़े पैमाने पर हमले के शुरुआती चरण जमीं पर अमल में आ रहे हैं, वैसे-वैसे इजरायल वहां सैन्य तैनाती बढ़ाता जा रहा है। उत्तरी गाजा के सबसे बड़े शहर, जिसके बारे में इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हमास के अंतिम गढ़ों में से एक है, पर कब्जा करने के लिए सेना ने 60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। इसके अलावा 20,000 अतिरिक्त सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाने का भी फैसला किया गया है।

आईडीएफ की योजना की हो रही निंदा : इजरायली सुरक्षा बल की इस योजना की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर निंदा हो रही है, क्योंकि इससे इस आशंका को बल मिल रहा है कि गाजा में मानवीय और भूखमरी का संकट और भी बदतर हो जाएगा और आईडीएफ के विस्तारित सैन्य अभियान से शेष बंधकों की जान पर संकट बढ़ जाएगा। मानवाधिकार समूहों ने भी चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है। समूहों ने कहा कि गाजा में अधिकांश निवासी विस्थापित हो गए हैं, विशाल इलाके खंडहर में तब्दील हो गए हैं और लोगों पर अकाल का खतरा मंडरा रहा है।

इजरायली सैनिक अब हो रहे हताश : सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब दो साल से युद्ध लड़ रहे इजरायली सैनिक अब हताश होने लगे हैं। युद्ध का अंत नजदीक नहीं दिखने के कारण इजरायल के सैन्य प्रमुख ने सैनिकों पर बढ़ते बोझ की चेतावनी दी है, जिनमें से कई को गाजा में लड़ने के लिए कई बार बुलाया गया है। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल ज़मीर ने इस महीने की शुरुआत में सुरक्षा कैबिनेट को बताया था कि सेना को क्षति और थकान का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन सहयोगियों ने गाजा अभियान को आगे बढ़ाते हुए उनकी चिंताओं को खारिज कर दिया।यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में अगम लैब्स के एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि लगभग 40त्न सैनिक युद्ध के लिए थोड़े या काफी कम प्रेरित थे, जबकि 13त्न से थोड़े अधिक सैनिक युद्ध के लिए अधिक प्रेरित थे।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण, ईशनिंदा के नाम पर सरेआम हो रही हत्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा लगातार बढ़ रही है। हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले साल हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह के मामलों में तेजी आई है। संगठन ने बताया कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट डर की गलियां: 2024-25 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता में देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए बेहद चिंताजनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया समुदाय की लक्षित हत्याएं और उनके पूजा स्थलों का विध्वंस शामिल है।

एचआरसीपी ने बताया कि पंजाब और सिंध प्रांतों में हिंदू और ईसाई लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह जारी है, जो बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता को दर्शाता है। संगठन ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपियों, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की भीड़ द्वारा हत्या के मामले बढ़े हैं। सबसे भयावह घटनाएं ईशनिंदा के आरोप में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की न्यायेतर हत्याएं हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस ने दो ईशनिंदा आरोपियों को उग्र भीड़ से सुरक्षा मांगने के दौरान न्यायेतर तरीके से मार डाला। यह घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बार एसोसिएशनों का कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की ओर झुकाव चिंताजनक है, जो विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। रिपोर्ट में पाकिस्तान सरकार से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निष्कर्षों के आधार पर ईशनिंदा के आरोपों में फंसाने की जांच के लिए एक आयोग गठित करने की मांग की गई है। साथ ही, यह सुझाव दिया गया है कि अधिकारियों को उन मदरसों पर नजर रखनी चाहिए जो अक्सर नाबालिग लड़कियों के धर्मांतरण में शामिल होते हैं।

अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का निधन, दयालु जज के नाम से फेमस हुए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का बुधवार को निधन हो गया। वे 88 साल के थे। कैप्रियो लंबे समय से पैंक्रियाटिक कैंसर से लड़ रहे थे। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की जानकारी दी। कैप्रियो अपने कोर्ट शो कॉट इन प्रोविडेंस से दुनियाभर में मशहूर हुए। यह शो 2018 से 2020 तक चला और कई डेटाइम एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुआ। उनकी दया और इंसानियत भरे फैसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं।। उन्होंने कई बार गरीब परिवारों के चालान माफ किए और लोगों को हौसला दिया।

सोशल मीडिया पर कैप्रियो के कई वीडियो वायरल : जज फ्रैंक कैप्रियो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके 34 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके वीडियो को ऑनलाइन अरबों बार देखा गया।

कैप्रियो ने रविवार को ही इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वे फिर से अस्पताल में हैं। उन्होंने लोगों से प्रार्थना करने की अपील की थी। कैप्रियो को लोग दुनिया का

सबसे दयालु जज कहते थे। उनका मानना था कि न्याय में दया और इंसानियत जरूर होनी चाहिए।

रोड आइलैंड में एक दिन के लिए झंडा आधा झुकाया : कैप्रियो का जन्म अमेरिका के रोड आइलैंड में हुआ था। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने उन्हें राज्य का असली खजाना बताया। राज्य में उनके सम्मान में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। उन्होंने लंबे समय तक म्युनिसिपल जज के तौर पर काम किया। 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें कैंसर है। इलाज के दौरान वे लगातार लोगों से जुड़े रहे और अपडेट देते रहे। कैप्रियो पारिवारिक जीवन में भी बेहद समर्पित थे। परिवार ने कहा कि वे एक अच्छेपति, पिता, दादा और परदादा के रूप में याद किए जाएंगे।

ट्रंप के साथ बैठक के बाद वापस आते समय पुतिन को चुकाने पड़े 2.2 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन से जंग को लेकर संघर्षविराम पर वार्ता के लिए अलास्का का दौरा किया था। यहां ट्रंप से वार्ता से पहले भले ही उनका रेड कार्पेट स्वागत हुआ हो लेकिन वहां से वापस आना पुतिन को काफी महंगा पड़ गया। दरअसल, उन्हें वहां से वापस आते समय अपने विमानों में ईंधन भरवाना पड़ा। हद तो तब हो गई जब इसके लिए उन्हें तकरीबन 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद चुकाने पड़े। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी हकीकत बताई है। उन्होंने साफ किया है कि पुतिन को ऐसा क्यों करना पड़ा।

मार्को रूबियो ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अमेरिका से लौटते समय तीन विमानों में ईंधन भरने के लिए लगभग 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद भुगतान करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह रूस पर लागू अमेरिकी प्रतिबंधों का परिणाम था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से जंग के चलते लागू प्रतिबंधों के कारण वे हमारी बैंकिंग प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकते थे। ऐसे में उन्हें ईंधन के लिए नकद भुगतान करना पड़ा। रूबियो ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और उनका प्रभाव भी बना हुआ है। रूबियो ने कहा कि रूस और पुतिन को हर दिन इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि इन प्रतिबंधों ने युद्ध की दिशा नहीं बदली है।

बैठक का नहीं निकला कोई नतीजा

गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुई बहुप्रतीक्षित बैठक के लिए पुतिन की टीम अलास्का में लगभग पांच घंटे तक रही। ट्रंप और पुतिन की बैठक के बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें ट्रंप ने पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ। हालांकि दोनों के बीच वार्ता अच्छी रही।

तीन साल से ज्यादा वक्त से रूस-यूक्रेन में जंग

करीब तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक तरह के ठहराव पर है। रूस ने कुछ हिस्सों में हाल ही में बढ़त बनाई है, लेकिन बड़े पैमाने पर स्थिति वैसी ही बनीं हुई है। अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है।

भारत मूल्यवान साझेदार, मजबूत रिश्ते में खटास रणनीतिक आपदा: निक्की हेली

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन जैसा विरोधी नहीं, बल्कि एक मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार मानना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका भारत के साथ पिछले 25 वर्षों से बने संबंधों की रफ्तार रोकता है, तो यह एक रणनीतिक आपदा होगी।

निक्की हेली ने भारत और चीन के बीच एक मजबूत साझेदारी को बेहद आसान बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और उसका उदय स्वतंत्र दुनिया के लिए कोई खतरा नहीं है। इसके उलट, चीन की ताकत बढ़ना दुनिया के लिए चुनौती है, क्योंकि वह कम्युनिस्ट शासन के तहत चलता है।

अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है भारत : निक्की हेली ने अपने लेख में कहा कि भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है, जबकि चीन रूस से तेल खरीद कर प्रतिबंधों से बच रहा है और मास्को का सबसे बड़ा ग्राहक है। अमेरिका को

यह समझना होगा कि अगर एशिया में चीन का मुकाबला करना है तो भारत ही एकमात्र देश है जो यह संतुलन बना सकता है।

भारत में चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बनाने की क्षमता : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत में इतनी क्षमता है कि वह चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बना सकता है। इससे अमेरिका को अपनी सप्लाई चेन चीन से हटाकर भारत में शिफ्ट करने में मदद मिलेगी। भारत कपड़े, सस्ते फोन और सोलर पैनल जैसे उत्पाद बड़े स्तर पर बना सकता है, जिन्हें अमेरिका खुद तुरंत या बड़े पैमाने पर नहीं बना सकता।

मध्य पूर्व में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है भारत की भूमिका : हेली ने आगे कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और मध्य पूर्व में उसकी भूमिका उस क्षेत्र में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है, खासकर जब अमेरिका वहां सैनिकों और पैसों की संख्या कम करना चाहता है। भारत की भौगोलिक स्थिति चीन के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के रास्तों पर दबाव डाल सकती है, जो किसी बड़े संघर्ष की स्थिति में चीन के विकल्प कम कर देगी।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का उदय चीन की उस महत्वाकांक्षा को रोक देगा, जिसमें वह वैश्विक व्यवस्था को अपने हिसाब से ढालना चाहता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत मजबूत होगा, चीन की महत्वाकांक्षाएं घटेंगी।

अमेरिका-भारत की साझेदारी करने पर दोनों देशों के हित पूरे होंगे : निक्की हेली ने यह भी याद दिलाया कि भारत और चीन के बीच कई विवाद हैं, जिनमें 2020 का गलवां घाटी संघर्ष भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और भारत साझेदारी करते हैं तो दोनों देशों के हित पूरे होंगे और भारत चीन के खिलाफ ज्यादा मजबूती से खड़ा हो सकेगा। हेली ने चेतावनी दी कि अमेरिका-भारत के बीच व्यापार विवाद को अगर लंबा खींचा गया तो यह एक बड़ी और टाली न जा सकने वाली गलती होगी। चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है।

टेक्सास के नए नक्शे को मिली मंजूरी, 2026 के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को होगा फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की विधानसभा ने राज्य के नए नक्शे को अपनी मंजूरी दे दी है। नए नक्शे से रिपब्लकिन पार्टी को फायदा होगा और पांच नई सीटों का निर्माण होगा। जिन सीटों का निर्माण होगा, वो रिपब्लिकन पार्टी के प्रभाव वाली होंगी। ऐसे में 2026 में होने वाले मध्यावधि चुनाव में सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को इससे फायदा मिलने की उम्मीद है।

रिपब्लिकन पार्टी की बढ़ सकती हैं पांच सीटें : राष्ट्रपति ट्रंप ने पांच साल बाद कांग्रेस सीटों के नक्शों की समीक्षा करने की अपील की थी। माना जा रहा है कि इसका उद्देश्य रिपबल्किन पार्टी को फायदा पहुंचाना है। टेक्सास की विधानसभा ने बुधवार को नए नक्शे को मंजूरी दी। हालांकि अभी इसे लागू करने से पहले राज्य के सीनेट और गवर्नर की मंजूरी की भी जरूरत होगी। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। ऐसे में नए नक्शे को मंजूरी मिलना लगभग तय है। सदन में नए विधेयक के पक्ष में 88 और विपक्ष में 52 वोट पड़े। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने नए नक्शे को अदालत में चुनौती देने की बात कही है। डेमोक्रेट्स ने आरोप लगाया कि नया नक्शा रिपब्लिकन पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

टेक्सास के रिपब्लिकनों ने खुलेआम कहा कि वे अपनी पार्टी के हित में काम कर रहे हैं। राज्य प्रतिनिधि टॉड हंटर, जिन्होंने औपचारिक रूप से नया नक्शा बनाने वाला विधेयक लिखा था, ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राजनेताओं को स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण उद्देश्यों के लिए जिलों का पुनर्निर्धारण करने की अनुमति दी है।

अमेरिकी कोर्ट ने ठुकराई न्याय विभाग की मांग, ग्रैंड जूरी दस्तावेज सार्वजनिक करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन की मौत के मामले में बुधवार को ट्रंप प्रशासन को एक बार फिर झटका दिया है। इसके तहत न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़े देह व्यापार मामले की ग्रैंड जूरी की सुनवाई के दस्तावेज (ट्रांस्क्रिप्ट्स) सार्वजनिक करने की ट्रंप प्रशासन की मांग को खारिज कर दिया। इससे पहले दो अन्य जज भी इसी तरह की मांग को ठुकरा चुके हैं।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश रिचर्ड बर्मन ने कहा कि इन ट्रांस्क्रिप्ट्स में ऐसा कुछ नहीं है जो जनता की जिज्ञासा को संतुष्ट कर सके। उन्होंने इसे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। साथ ही कहा कि असल में एपस्टीन से जुड़े करीब एक लाख पन्नों के दस्तावेज सरकार के पास हैं, लेकिन उन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। न्यायाधीश ने ये भी कहा कि सरकार के पास असली और ठोस जानकारी है, लेकिन वह सिर्फ ग्रैंड जूरी की सीमित जानकारी जारी करवाना चाहती है, जो कि असल तथ्यों का एक बहुत ही छोटा हिस्सा है।

ट्रंप प्रशासन ने की थी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग : बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग की थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे पारदर्शिता में विश्वास रखते हैं। ट्रंप खुद भी इस केस में नाम आने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुके हैं और उन्होंने चुनाव के दौरान सभी फाइलें जारी करने का वादा किया था। लेकिन जब उन्होंने कुछ दस्तावेज जारी किए, तो उनमें कुछ नया नहीं था, जिससे उनके समर्थकों में भी नाराजगी थी।

घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी जारी चर्चा जारी

दूसरी ओर इस मामले में एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी चर्चा जारी है। मैक्सवेल फिलहाल फिलहाल 20 साल की सजा काट रही हैं। अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति उनसे पूछताछ करना चाहती है, लेकिन उनके वकीलों ने कहा है कि अगर उन्हें कानूनी सुरक्षा (इम्युनिटी) नहीं दी गई, तो वे बयान नहीं देंगे।

कौन थे जेफरी एपस्टीन?

गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन एक अमीर फाइनेंसर थे, जिनपर कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। वह 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मृत पाए गए थे, जब उन पर मुकदमा चल रहा था। उनकी मौत को लेकर अब भी संदेह और साजिश की थ्योरी चलती रहती हैं। साथ ही उनकी मौत और केस से जुड़े कई दस्तावेजों को छिपाने के आरोपों को लेकर अमेरिका में कई लोग सरकार पर पर्दा डालने का आरोप लगाते रहे हैं।

एनएमडीसी कर्मचारियों की लंबित वेज रिवीजन शीघ्र लागू करवाने बस्तर सांसद द्वारा इस्पात मंत्री से की गई सार्थक पहल

किरंदुल। एनएमडीसी लिमिटेड के कर्मचारियों का विगत 3 वर्ष 7 माह से लंबित पुनरीक्षत वेतनमान को शीघ्र लागू करवाने एवं श्रम संघ मान्यता हेतु औद्योगिक अधिनियम 1947 की धारा 2 (आर ए) के कॉलम-2(बी) की 5वीं अनुसूची का पालन सुनिश्चित करवाने हेतु खदान मजदूर संघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल एवं बचेली की मांग पर बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी के साथ नई दिल्ली स्थित पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के निवास में खदान मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में विश्व की सबसे बड़ी श्रम संघ भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ द्वारा राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित में श्रमिकों की बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर सविस्तार चर्चा की गई, जिसमें यह जानकारी प्राप्त हुआ कि वेतन पुनरीक्षण हेतु आगामी कार्रवाई प्रक्रियारत थी, किन्तु वित्तीय वर्ष के समापन माह मार्च 2025 में कतिपय श्रम संघों द्वारा बेमुदत आंदोलन किया गया, जिससे हमारी परियोजना निगम एवं राष्ट्र को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा, जिससे वेतन समझौते की आगामी कार्रवाई बाधित हुई तथा अवधि बढ़ती चली गई। खदान मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से अनुरोध किया की हमारा श्रम संघ सदैव ही राष्ट्रहित सर्वोपरि के सिद्धांतों पर कार्य करता है, अतः हम अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं हुए तथा राष्ट्रहित के साथ श्रमिक हित में हमारा श्रम संघ आपसे सादर अनुरोध करता है कि कृपया जनवरी 2022 से लंबित पुनरीक्षित वेतनमान को शीघ्र ही लागू करवाने हेतु आवश्यक आगामी कार्रवाई करने का कष्ट करेंगे, जिस पर इस्पात मंत्री द्वारा बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी दिल्ली राव, सचिव महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, उपेंद्रनाथ त्रिपाठी बचेली शाखा के अध्यक्ष दीप शंकर देवांगन, सचिव सुरेश तामो, अमित मिश्रा, राजेश डेहरिया को एनएमडीसी के उच्च प्रबंधन से बैठक कर अतिशीघ्र आवश्यक आगामी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

बलवीर सिंह जुनेजा की पुण्यतिथि इंडोर स्टेडियम परिसर स्थित मूर्ति स्थल में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से नगर पालिक निगम रायपुर के पूर्व महापौर बलवीर सिंह जुनेजा की पुण्यतिथि 24 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजधानी शहर रायपुर में बूढ़ापारा में नगर पालिक निगम रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम परिसर में स्थित उनके मूर्ति स्थल पर उनका सादर नमन करने पुष्पांजलि आयोजन रखा गया है। पुष्पांजलि आयोजन हेतु नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग की ओर से रायपुर नगर पालिक निगम जोन 4 जोन कमिश्नर को बूढ़ापारा में बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम परिसर में स्थित नगर पालिक निगम रायपुर के पूर्व महापौर बलवीर सिंह जुनेजा की पुण्यतिथि 24 अगस्त को उनके मूर्ति स्थल और आसपास के क्षेत्र में आवश्यक साफ-सफाई, पुष्प, पुष्पमाला, फूलों की पंखुडियां आदि के साथ-साथ अन्य सामान्य यथोचित व्यवस्था करवाने निर्देशित किया गया है।

स्कूली बच्चों को साइबर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से किया गया जागरूक

कोण्डागांव। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सायबर जागरूकता के सम्बन्ध में एस.ओ.पी. जारी किया गया है। जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक कोंडागांव वाय अक्षय कुमार (प्वै) के निर्देशानुसार, अति.पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल के मार्गदर्शन में एवं उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव के पर्यवेक्षण मे कोण्डागांव जिले में साइबर जागरूकता का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 20 अगस्त 2025 को भारतीय स्टेट बैंक शाखा कोंडागांव में एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विधालय बडेडोंगर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों एवं आम लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक सौरभ उपाध्याय के द्वारा ऑनलाइन बुलिग फिशिंग और ओटीपी लेकर धोखाधड़ी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर अपराध की सूचना सायबर हेल्प लाईन नंबर 1930 में ऑनलाईन शिकायत दर्ज करने के अलावा अपने निकटतम पुलिस थाना या सायबर सेल जाकर रिपोर्ट करने के संबंध मे जानकारी दी गई। भारतीय स्टेट बैंक शाखा में वरिष्ठ नागरिक, बैंक कर्मचारी, बैंक से लेनदेन करने वाले ग्राहकों को एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विधालय बडेडोंगर में बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने बच्चों को समझाया कि अपने बैंक खातों और एटीएम पिन की जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस कार्यक्रम से सभी सम्मानित नागरिकों एवं बच्चों में साइबर सुरक्षा के प्रति गहरी जागरूकता पैदा हुई। सभी ने अपनी प्रतिक्रिया में बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें भविष्य में ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रहने की प्रेरणा मिली है।

कलेक्टर ने किया शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय का निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय का निरीक्षण किया एवं महाविद्यालय की औपचारिक बैठक में सम्मिलित हुई। बैठक में वर्तमान शैक्षणिक सत्र की प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय भवन की स्थिति और उपलब्ध संसाधनों एवं आवश्यकताें पर विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने महाविद्यालय के सुचारू संचालन और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान महाविद्यालय के लिए फर्नीचर, सीसीटीवी एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियों की खरीदी तथा मरम्मत कार्य हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर आवश्यक सुधार कार्यों के निर्देश दिए। साथ ही भवन की मरम्मत और बॉटनिकल गार्डन को सुव्यवस्थित कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को प्रदान किए।

पैरालीगल वालिंटियर्स का एक दिवसीय मासिक प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव रेशमा बैरागी पटेल एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय की अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में जिला कोण्डागांव एवं जिला नारायणपुर के समस्त थाना में पदस्थ पैरालीगल वालिंटियर्स एवं समस्त लीगल एड कीनिक, प्रबंधन कार्यालय में कार्यरत पैरालीगल वालिंटियर्स का एक दिवसीय कार्यशाला बैठक रखा गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पैरालीगल वालिंटियर्स को विधिक सहायता, जनजागरूकता, मध्यस्थता, बाल एवं महिला अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों का संरक्षण, मानव तस्करी रोकथाम, पीड़ितों के पुनर्वास तथा नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन, विधिक सेवाओं की पहुंच और न्याय तक सबकी समान पहुंच सुनिश्चित करते हुए ग्रामीण स्तरों एवं अंधूरूनी स्तरों में प्रचार प्रसार कर उनकी सहायता करना रहा। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अधिकार मित्रों को संबोधित करते हुए उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया और कहा कि पैरालीगल वालिंटियर्स, समाज के उन अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने में सेतु का कार्य करते हैं, जिन्हें विधिक जानकारी या सहायता की आवश्यकता होती है यह कार्य सेवा और सर्मपण का परिचायक होता है। साथ ही समाज के वंचित, निर्धन और हाशिए पर स्थित लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने हेतु जोर दिया। साथ ही सचिव ने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से व्यापक रूप से विधिक जागरूकता शिविर आयोजन करने का निर्देश दिया गया। तथा माननीय नालसा एवं सालसा के समस्त योजनाओं से आम जनों को लाभ दिलाने में मदद करते हुए उन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट भवन का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला चिकित्सालय के पीछे निर्माणाधीन सीसीएचबी भवन का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन के शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ 06 माह में पूरा कराने हेतु सीजीएमएससी के अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माणाधीन भवन में चिकित्सकों के साथ उनकी आवश्यकता के अनुसार लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर सहित अन्य कक्ष को देखा और सुव्यवस्थित ढंग से निर्माण कार्य के निर्देश देते हुए आवश्यकतानुसार कुछ कक्षों में सुधार कार्य करने को कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, सीएमएचओ डॉ. आर.के. चतुर्वेदी और सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रेम मंडावी, चिकित्सकगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आलोर में स्थित लिंगेश्वरी माता मंदिर खुलने एवं मेला आयोजन को लेकर हुई बैठक

कोण्डागांव। फरसगांव विकासखंड के ग्राम झाटीबन आलोर में स्थित लिंगेश्वरी माता मंदिर का द्वार इस वर्ष 3 सितंबर को खुलेगा। इस अवसर पर हर साल की तरह भव्य मेला का आयोजन होगा, जिसमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर स्थल स्थित रंगमंच भवन में लिंगेश्वरी सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान तय किया गया कि बेरीकेटिंग एवं बांस-बल्ली की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग व वन विभाग करेंगे, सफाई व्यवस्था नगर पंचायत फरसगांव संभालेगी। कानून एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस विभाग व तहसील प्रशासन की होगी, चिकित्सा व्यवस्था खंड चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में रहेगी और पार्किंग व्यवस्था पुलिस विभाग और मेला समिति द्वारा की जाएगी। वही विद्युत व्यवस्था विद्युत विभाग फरसगांव देखेगा और पेयजल व्यवस्था जनपद पंचायत, नगर पंचायत व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मिलकर करेंगे।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का पुनर्गठन एवं बैठक

कोण्डागांव। शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का पुनर्गठन करते हुए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ-साथ बाह्य सदस्यों एवं छात्र प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय रूप से भागीदारी की। डॉ. आत्राम ने कहा कि आईक्यूएसी का उद्देश्य महाविद्यालय की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हमें विद्यार्थियों के समग्र विकास, अनुसंधान को प्रोत्साहन और स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना होगा।÷ उन्होंने महाविद्यालय में स्मार्ट क्लास, अनुसंधान प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय के डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किरण नुरूटी ने कहा कि एनईपी 2020 की प्रभावी क्रियान्विति ही हमारे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने छात्राओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की बात कही। डॉ. सोरी ने कहा कि महाविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता तभी बढ़ेगी जब अनुसंधान गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने शोध पत्र प्रकाशन और विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी को बढ़ावा देने पर बल दिया। डॉ. हालदार ने विस्तृत रूप से योजना और क्रियान्वयन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ÷आईक्यूएसी केवल औपचारिक समिति नहीं बल्कि संस्थान की आत्मा है, जिसके द्वारा हर विभाग में गुणवत्ता का सतत प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा। बाह्य सदस्यगण - देवेंद्र सोरी, सहायक संचालक योजना उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को स्थानीय जरूरतों के हिसाब से योजनाएं बनानी चाहिए। उद्योगों से सहयोग लेकर प्लेसमेंट सेल को सशक्त करने की जरूरत है। नरेंद्र कुमार नायक, प्राचार्य उन्होंने कहा कि शिक्षक ही महाविद्यालय की रीढ़ हैं, अतः शिक्षक प्रशिक्षण आधारित शिक्षण एवं नियमित अकादमिक समीक्षा आवश्यक है। आजाद सिंह पात्रे, श्रम अधिकारी उन्होंने छात्रों में श्रम एवं कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया। राजेश दीवान, पूर्वछात्र एवं व्यवसायी उन्होंने कहा कि पूर्वछात्रों की भूमिका बेहद अहम है। पूर्वछात्र मिलन और अलुमनाई फंड से विकास कार्यों को गति दी जा सकती है। हर्ष लाहोटी, स्थानीय समाज सदस्य उन्होंने कॉलेज को स्थानीय समाज से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि ÷महाविद्यालय की गतिविधियाँ समाज तक पहुँचे और समाज का सहयोग कॉलेज तक आए।÷श्वेता सिंह एवं नवीन देवांगन, छात्र प्रतिनिधि दोनों ने छात्र-हित की समस्याएँ रखीं जैसे कि पेयजल, खेल सामग्री, इंटरनेट सुविधा और छात्रवृत्ति संबंधी पारदर्शिता।

षड़यंत्र रचकर हत्या करने के लिए साजिश रचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव। षड़यंत्र रचकर हत्या करने की साजीश रचने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया । 20 अगस्त को चोरी संबंधी मामलों में संदेही मो. मजहर अली खान को अभिरक्षा में लेकर थाना कोण्डागांव एवं सायबर की संयुक्त टीम के द्वारा पूछताछ किया जा रहा था एवं संदेश का मोबाईल चेक किया गया जिसमें संदेही मो. मजहर अली खान के मोबाईल में दहिकोंगा निवासी राजकुमार बघेल के साथ मोबाईल चेट में इनके चचेरा भाई कंवल सिंह बघेल पेसे से वकील की षड़यंत्र पूर्वक हत्या की साजिश रचने की जानकारी प्राप्त होने पर राज कुमार बघेल एवं मो. मजहर अली खान को तलब कर बारिकी से पूछताछ करने पर राजकुमार बघेल ने बताया कि इसके चचेरा भाई कंवल सिंह बघेल के साथ सन् 2021 से जमीन संबंधी विवाद चल रहा है एवं प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। आरोपी राजकुमार बघेल जमीन संबंधी मामले को लेकर अपने चचेरा भाई कंवल सिंह बघेल का हत्या कराना चाहता था एवं इसके लिए आरोपी मो. अजहर अली खान को 60 हजार रूपये दिये थे एवं षड़यंत्र पूर्वक हत्या करने के लिये दोनों मिलकर साजिश रच रहे थे।

प्रार्थी कंवल सिंह बघेल पिता स्व. सुकदास बघेल निवासी मिची पारा दहिकोंगा के रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 284/2025 धारा 61(2), 55 बीएनएस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं दोनों आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने एवं अपराध कारित करना स्वीकारने से 21 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

विधायक सुनील सोनी ने खो-खो पारा स्कूल में 33 छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना में सायकल प्रदत्त किया

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 5 के महत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्रमांक 42 क्षेत्र अतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खोखो पारा में पहुंचकर वार्ड 42 पार्षद एवं नगर निगम जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल और शासकीय स्कूल खोखोपारा स्कूल की प्राचार्य सी. वर्मा सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षक, शिक्षिकाओ, कर्मचारियों, स्कूल के छात्र-छात्राओ की उपस्थिति में शासन के स्कूल शिक्षा विभाग की सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत स्कूल में अध्ययनरत 33 छात्राओ को नई सायकल वितरीत की। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने मच से खो खो पारा स्कूल में शेड और रंगमंच निर्माण सहित अन्य आवश्यक कार्य करवाने रायपुर दक्षिण विधायक निधि के जनसम्पर्क स्वेच्छानुदान मद से 10 लाख रु का अनुदान देने की घोषणा की। दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने विद्या की प्रतीक देवी माता सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर सरस्वती सायकल योजना में सायकल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूल की छात्राओ द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गई। दक्षिण विधायक ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी एवं संकल्प लेने अपील की कि स्कूल निकलते समय घर में अपने से बडो और बुजुर्गो का प्रतिदिन आशीर्वाद लेकर स्कूल आए ताकि इससे सभी बच्चो को जीवन में सफल होने प्रेरणाशक्ति मिल सके।

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल के तीसरे दिन निकाली महारैली किया प्रदर्शन

- धरना स्थल से पुराना बस स्टैंड होते हुए घड़ी चौक सेन चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर । उत्तर बस्तर कांकेर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। प्रदेशभर के लगभग 16,000 कर्मचारी तथा कांकेर जिले के करीब 655 स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल में शामिल हैं। आंदोलन के चलते प्रदेश की क स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। हड़ताल के तीसरे दिन एनएचएम के स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा धरना स्थल से पुराना बस स्टैंड होते हुए घड़ी-चौक सेन चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर जुलुस निकलते हुए मोदी की गारंटी को पूर्ण करने की मांग कि गई तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। धरना स्थल में एनएचएम कर्मियों ने कहा जब तक कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। 10 सूत्रीय कर्मचारियों की मुख्य माँगें इस प्रकार है नियमितीकरण/सिविलियन ग्रेड पे लागू करना पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना 27 लंबित वेतनवृद्धि का आदेश जारी करना मेडिकल अवकाश एवं अन्य स्वीकृत लाभों को लागू करना सहित 10 सूत्रीय माँग हैं। कई बार मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर कर्मचारियों ने अपनी जायज मांगें रखीं ।

क्या आपका बच्चा भी पढ़ने में करता है आनाकानी...

ये खास टिप्स अपनाएं और फिर देखें जादू

अगर आपका भी बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता तो ये टिप्स जरूर अपनाएं। इससे आपके बच्चे का पढ़ाई में फोकस भी बढ़ेगा और परफॉर्मेंस में भी सुधार होगा। कोरोना के बाद से ही हर माता-पिता की शिकायत है कि उनका बच्चा पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगाता। कई माता-पिता दिनभर बच्चों के पीछे लगे भी रहते हैं फिर भी उनका ध्यान पढ़ाई की ओर नहीं जाता। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण है लॉकडाउन के वक्त लंबे समय तक स्कूल का बंद रहना। इसके अलावा इसके पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं जैसे तनाव में होना, ओवरथिंकिंग, कंसंट्रेशन की कमी, थकान महसूस होना वगैरा-वगैरा.. इन समस्याओं को दूर करने के लिए हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिसे आप फॉलो करते हैं तो आपके बच्चे का पढ़ाई में मन तो लगेगा ही साथ ही उसकी ब्रेन पावर भी बढ़ेगी। आइए जानते हैं इसके बारे में।

इन टिप्स को अपनाकर बच्चों का फोकस बढ़ाएं

ब्रेन गेम्स खेलने दें-अपने बच्चे को पढ़ाई की तरफ फोकस करवाने के लिए माइंड गेम का सहारा ले सकते हैं। ऐसा करने से उनका ध्यान फोन से हटेगा और बच्चे में एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है और पढ़ाई में भी मन लगता है। हालांकि खेलने की टाइमिंग का ध्यान जरूर रखें। साल 2015 की एक अध्ययन के मुताबिक 4715 लोगों को दिन में 15 मिनट और सप्ताह में 5 दिनों तक ब्रेन गेम्स खेलने के लिए कहा गया। शोध में पाया गया कि इससे उन लोगों के दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऐसे में अपने बच्चे को चेस, सुडोको, पजल, स्क्रैबल जैसे गेम्स खिलाए।

वृक्षासन करवाएं-

बच्चे में एकाग्रता बढ़ाने के लिए आप वृक्षासन का भी सहारा ले सकते हैं। इस योग को करने से दिमाग की एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है। एक पैर पर बैलेंस बनाने से दिमाग को संतुलन और स्थिरता मिलती है। जब दिमाग में संतुलन और कंसंट्रेशन बढ़ेगा तो पढ़ाई में भी काफी मदद मिलेगी।

शारीरिक बल वाला खेल खेलने दें-

ऐसा ना हो कि बच्चे सिर्फ दिन भर मोबाइल फोन में ही घुसे रहें।इससे भी उनके कॉनसेंट्रेशन पर असर पड़ता है। आप बच्चे को एक घंटा बाहर मैदान में ले जाकर खेलने दें या तो बच्चे साइकिल चलाएं या फिर कोई आउटडोर गेम खेलें, जिससे शारीरिक विकास हो। शारीरिक बल करना काफी लगे। 40 से 50 मिनट ऐसा है। पोषक तत्वों की कमी ना होने दें-ध्यान रहे कि आपके बच्चे के खाने की थाली में पोषक तत्वों की कमी ना हो।ऐसा होने से भी एकाग्रता करने में मुश्किल होती है। बच्चों की डाइट में फल सब्जियां, अंडे, दूध आदि को शामिल करें। इसके अलावा बच्चे की डाइट में और टमाटर शकरकंद, कद्दू गाजर, पालक दही भी होना चाहिए। बच्चों को तेल और मिर्च वाले खाने से दूर रखें, इससे आलस बढ़ता है।

तनाव से दूर रखें-

अगर घर में किसी तरह का तनाव चल रहा है तो इससे बच्चे को दूर रखें। ऐसा होने से भी बच्चे को पढ़ाई में मन नहीं लगता है। बच्चे को कुछ दिनों पर कहीं घुमाने ले जाएं। उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रख सके। यह भी ध्यान रखें कि बच्चे की नींद ठीक से पूरी हो जाए क्योंकि एकाग्रता के लिए ब्रेन का रिचार्ज होना भी बहुत जरूरी है।

एलोवेरा जूस से स्किन की लौट आएगी पुरानी चमक

ब्लड शुगर भी रहेगी कंट्रोल! 4 ग़ज़ब के फायदे रखेंगे हेल्दी

एलोवेरा में पोषक तत्वों का भंडार मौजूद है। स्किन को चमकदार बनाने के साथ ही ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी एलोवेरा मददगार होता है। इसके गजब के फायदे जानकर आप इसका इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। एलोवेरा एक ट्रॉपिकल प्लांट है और इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। हेल्थलाइन की खबर के मुताबिक ओरल हेल्थ के लिए भी एलोवेरा का इस्तेमाल काफी लाभकारी हो सकता है। फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करने में भी एलोवेरा जूस काफी लाभकारी हो सकता है।

स्किन हेल्थ

एलोवेरा जूस में मौजूद प्रॉपर्टीज स्किन को हेल्दी रखने के लिहाज से बेहद फायदेमंद होती हैं। जलने या फिर किसी भी तरह के स्किन डिसऑर्डर में एलोवेरा जूस का सेवन काफी लाभकारी हो सकता है। एलोवेरा जूस को पीने के साथ ही अगर एलोवेरा जूस को स्किन पर लगाया जाए तो इससे भी स्किन चमकदार बनने में मदद मिलती है। कुछ रिसर्च में सामने आया है कि एलोवेरा जूस का सेवन स्किन इलास्टिसिटी बेहतर बनाने के साथ ही रिंकल्स को भी घटाता है।

डायबिटीज

शुगर पेशेंट्स के लिए एलोवेरा जूस का सेवन लाभकारी हो सकता है। अब तक हुई रिसर्च में ये पाया गया है कि प्री-डायबिटीज की स्थिति में एलोवेरा जूस पीने से फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल बेहतर बनाने में मदद मिलती है। हालांकि अब भी इसे लेकर और डेटा और रिसर्च होने की जरूरत है जिससे किसी ठोस नतीजे पर पहुंचा जा सके।

एंटी-ऑक्सीडेंट्स रिच

एलोवेरा प्लांट एंटी-ऑक्सीटेंड्स से भरपूर होता है। इसमें एंटी-इन्फ्लामेटरी प्रॉपर्टीज भी होता है जो कि शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से भी बचाती हैं। एलोवेरा जूस में पॉलीफेनॉल्स होते हैं जो कि शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। एलोवेरा जूस का सेवन शरीर को ऊर्जा से भी भर देता है

डाइजेशन

हर दूसरे व्यक्ति को पेट संबंधी समस्याएं होती हैं। खासतौर पर पाचन से जुड़ी परेशानियां अक्सर देखने को मिलती हैं। एलोवेरा जूस में Anthraquinone Glycosides होता है जिसमें लेक्सेटिव प्रभाव होता है जो कि कब्ज की समस्या से राहत दिला सकता है। कब्ज की समस्या में सुधार होने पर धीरे-धीरे डाइजेशन में भी सुधार आता है।

ओरल हेल्थ

दांतों और ओरल हेल्थ की समस्याओं से ज्यादातर लोग जूझते नजर आते हैं। कुछ रिसर्चों में सामने आया है कि ओरल हेल्थ को बेहतर रखने में एलोवेरा का जूस कारगर हो सकता है। एलोवेरा जूस और इससे बनने वाले माउथ वॉश में काफी एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं जो कि दांतों से जुड़ी समस्याओं से राहत देने में मददगार हो सकती हैं।

कबूतरों की बीट से गंदा हो गया बालकनी का फर्श

सफाई के 5 तरीके करें इस्तेमाल, दो मिनट में हो जाएगा क्लीन

दिल्ली और मुंबई सहित कई शहर ऐसे हैं, जहां कबूतरों की संख्या बहुत ज्यादा है। बहुत से लोग इनकी मौजूदगी से काफी परेशान रहते हैं। दरअसल, कबूतर घरों की छत और बालकनी में अपना आशियाना बना लेते हैं और अपनी बीट से इन जगहों पर गंध फैलाते हैं। इसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार छत और बालकनी से इनकी बीट को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप चाहें तो स्टेप बाई स्टेप कुछ आसान तरीके इस्तेमाल करके कबूतरों के मल (Pigeon poop) को आसानी से साफ कर सकते हैं।

सबसे पहले बरतें ये सावधानी

कबूतर का मल साफ करने से पहले कुछ सावधानी बरतना जरूरी है। क्योंकि कबूतर की बीट से बहुत लोगों को एलर्जी होने की भी संभावना बनी रहती है। इसलिए कबूतर की बीट साफ करने से पहले हाथों में गलव्स और फेस मास्क जरूर कैरी कर लें। साथ ही पैरों को शूज या स्लीपर से अच्छे से प्रोटेक्ट कर लें।

अब तैयार करें क्लीजिंग लिक्विड:

कबूतर की बीट साफ करने के लिए क्लीजिंग लिक्विड तैयार कर लें। इसके लिए दो चम्मच डिशवॉशिंग लिक्विड लें और इसमें एक कप सिरका और एक कप पानी मिक्स करके मिक्सचर बना लें। फिर इस क्लीजिंग लिक्विड को बीट वाली जगहों पर अच्छे से स्प्रे कर दें और तकरीबन पंद्रह मिनट के लिए ऐसे

फ्लोर क्लीनर से क्लीन करें

अब क्लीनिंग के नेक्स्ट स्टेप में फ्लोर क्लीनर की मदद से आप बालकनी या छत को साफ करें। इसके लिए आप फ्लोर क्लीनर को पहले बालकनी या छत पर डालकर पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ताड़ वाली झाड़ू की मदद से रगड़ कर फर्श को साफ करें।

माइक्रोफाइबर कपड़े से करें साफ:

फ्लोर क्लीनर से फर्श की सफाई करने के बाद जरूरी है कि फर्श पर अच्छी तरीके से पोछा लगाया जाये। इसके लिए आप किसी डिस्पोजल माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करें और बालकनी और छत के फर्श को पोंछ कर सुखा लें। इसके बाद साफ़ पानी की मदद से एक बार फिर से फर्श की धुलाई कर लें।

इन बातों का भी रखें ख्याल

पिजन पूप साफ करते समय इस तरह के शूज और स्लीपर का इस्तेमाल करें जो फिसलने वाले न हों। साथ ही सफाई के समय बालकनी और छत की रेलिंग को अच्छे से थाम कर रखें।

घरेलू उपाय हैं बेहद काम के, दूर होंगी स्किन तकलीफ

1 यदि आपको चुभती-जलती घमौरियों ने परेशान कर रखा है, उसमें लगातार खुजली, जलन बनी हुई है तो आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल कर सकते हैं। घमौरियां दूर करने का यह बेस्ट घरेलू नुस्खा है। इसके लिए 1 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 चम्मच गुलाब जल डालकर मिक्स करें। इस पेस्ट को घमौरियों पर अप्लाई करें। मुल्तानी मिट्टी ठंडा प्रभाव करता है, जिससे जलन, खुजली कम होती है। साथ ही मुल्तानी मिट्टी में एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो फंगल इंफेक्शन, बैक्टीरिया आदि के कारण स्किन संबंधित समस्याओं को नहीं होने देते।

2 यदि आपके घर में एलोवेरा का पौधा है तो उसका जेल एक कटोरी में निकाल लें। इसे जहां-जहां घमौरियां हुई हैं, वहां अच्छी तरह से अप्लाई करके आधे घंटे के लिए छोड़ दें। एलोवेरा जेल स्किन के लिए बेस्ट होता है। यह त्वचा को सॉफ्ट बनाता है। आप रात में सोने से पहले भी एलोवेरा जेल अप्लाई करके सो सकते हैं और सुबह उठकर ठंडे पानी से त्वचा को साफ कर सकते हैं। एक से दो दिन इस जेल को लगाकर देखें, घमौरियां गायब हो जाएंगी।

3 घमौरियों से परेशान हैं तो इस पर आइस क्यूब पैक रख सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े में 5-6 बर्फ के टुकड़ों को डालकर बांध लें और इसे घमौरियों वाली जगह पर रखें। जलन, खुजली, रेड रैशेज सभी समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगी।

4 नीम की पत्तियों से भी घमौरियों का इलाज संभव है। आपके घर के आसपास नीम का पेड़ है तो 15-20 पत्तियां लाकर इसे साफ कर लें। आधे लीटर पानी को एक बर्तन में डालें। इसमें इन पत्तियों को डालकर गैस पर उबलने के लिए रख दें। जब नीम वाला पानी ठंडा हो जाए तो इससे प्रभावित त्वचा को साफ करें। घमौरियां में होने वाली जलन, खुजली कम हो जाएगी।

5 दही का इस्तेमाल हर घर में डेली होता है। क्या आप जानते हैं कि दही लगाने से भी घमौरियां कम हो सकती हैं? नहीं पता, तो एक बार इस नुस्खे को घमौरियों पर आजमाकर देखें। स्किन के लिए दही वैसे भी फायदेमंद होती है, तो इसका कोई साइड एफेक्ट भी आपको नहीं होगा। दही को अच्छी तरह से मिक्स करके प्रभावित त्वचा पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें फिर ठंडे पानी से स्किन को साफ कर लें। दही में एंटीबैक्टीरियल तत्व होते हैं, जो बैक्टीरिया का सफाया करते हैं।

खाना-खजाना

रायते में कर लें ये काम फिर स्वाद ही नहीं बढ़ेगा, डबल हेल्दी भी हो जाएगा!

रायता खाने का अपना ही मजा है। ये खाने का स्वाद तो बढ़ता ही है, साथ ही शरीर को ठंडक भी पहुंचता है। ये पेट के लिए भी अच्छा होता है। पाचन शक्ति को भी बढ़ावा देता है। यूं तो रायता की कई सारी वैरायटी है जैसे मिक्स वेज रायता, खीरे का रायता, बूंदी रायता.. लेकिन प्याज के रायते की बात ही अलग है। यह टेस्टी भी होता है और फायदेमंद भी होता है।ये लंच डिनर या किसी भी वक्त रोटियां चावल के साथ खाया जा सकता है। इसका टेस्ट जो बच्चों से लेकर बड़ों बुजुर्गों सबको पसंद आता है तो चलिए जानते हैं प्याज का रायता

बनाने का आसान तरीका

सामग्री : प्याज-बारीक कटे 2
दही -2 कप
लाल मिर्च पाउचर
हरी मिर्च बारीक कटी -1
रायता मसाला- 1 टीस्पून
जीरा- 1 चम्मच
चीनी- 1/4 टीस्पून
हरा धनिया- 2 टेबलस्पून
तेल -1 टेबलस्पून
नमक- स्वादअनुसार

रायता बनाने की विधि

प्याज को बारीक काट लीजिए, इसके बाद हरी मिर्च और हरा धनिया भी बारीक काट लें। अब एक बर्तन में दही और थोड़ा सा पानी डालकर अच्छी तरह से फेट लें।
दही को तब तक फेटना है जब तक के यह बिल्कुल स्मूद और पतला ना बन जाए।
अब एक पैन में थोड़ा सा तेल डालें और उसमें मीडियम आंच पर गर्म करने करने के लिए रख दें।
तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ सेंकंड तक भुनें।
इसके बाद प्याज डालकर धीमी आंच पर हल्का सा भूनें
अब कड़ाही में फेंटा हुआ दही डाल कर पकाएं
1 से 2 मिनट बाद दही में लाल मिर्च पाउडर, चीनी, रायता मसाला, नमक डालकर घोलते हुए मिक्स कर लें

प्याज का रायता खाने के फायदे

प्याज और दही दोनों में पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। दही में विटामिन बी5, विटामिन b12, पोटेशियम, राइबोफ्लेविन, आयोडीन, जिंक, फास्फोरस पाया जाता है। वहीं प्याज में विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी के अलावा फोलिक एसिड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फाइबर होते हैं। एक कटोरी प्याज का रायता खाने से यह सारे पोषक तत्व आपके शरीर में पहुंच जाते हैं।

स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के लिए इन सब्जियों को करें डाइट में शामिल

सब्जियां सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती गर्मियों में हरी सब्जी के सेवन से शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटेड रहता है। सब्जियों में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो सेहत को दुरुस्त रखते हैं। आपने भी हरी सब्जियां खूब खाई होंगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जंगली सब्जियां भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इन्हें रोजाना के डाइट में शामिल करने से शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त बनता है। ये कई बीमारियों को दूर भगाती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी ही जंगली सब्जियों के बारे में बताते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

कुल्फा की साग: कुल्फा के साग में कई तरह के विटामिंस और मिनरल्स पाए जाते हैं। इनमें विटामिन ए, विटामिन सी, मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो हार्ट, हड्डियों के लिए बेहद लाभकारी हैं। यह शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

शतावरी: हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली शतावरी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए, विटामिन ई, विटामिन सी समेत कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह जड़ी-बूटी के काम में आती है। इसका इस्तेमाल सब्जी के रूप में भी किया जाता है। इसके सेवन से हार्ट हेल्दी होता है। यह पांचन तंत्र को मजबूत कर वजन कम करने में भी लाभदायक है।

जंगली पालक: जंगली पालक में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करती है। यह ब्लोटिंग, गैस अपच जैसी समस्याओं से छुटकारा भी दिलाती है।

सिंहपर्णी: सिंहपर्णी में विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन के, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह पाचनतंत्र को मजबूत बनाता है। इसको डाइट में शामिल करने से लिवर भी मजबूत बनाता है। यह इम्युनिटी बूस्ट करता है।

मुंबई में पर्युषण महापर्व का शुभारंभ

मुंबई में पर्युषण महापर्व के अवसर पर अटलांटिक प्लाज़ा, दादर में चौवीहार हाउस का शुभारंभ

पर्युषण महापर्व के दौरान दादर स्थित अटलांटिक प्लाज़ा में चौवीहार हाउस का शुभारंभ किया गया। चौवीहार हाउस का उद्घाटन श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष श्री संजय शाह, महिला विभाग उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पा संजय शाह, चेयरमैन हरेशभाई पटेल, उपाध्यक्ष भावेशभाई कोटक, सेक्रेटरी मुकेशभाई कोटक तथा प्रगति ग्रुप के नानजीभाई गाला और मनीष सावंत (विधायक)द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर श्री संजय शाह और श्रीमती अल्पा संजय शाह का समिति द्वारा सम्मान भी किया गया। चौवीहार हाउस में प्रतिदिन लगभग ८०० से ९०० जैन श्रद्धालु चौवीहार का लाभ लेते हैं। यहां एकासन, ब्यासन तथा उबला हुआ पानी उपलब्ध कराया जाता है। चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुके इस चौवीहार हाउस में सभी उपवास करने वाले श्रद्धालुओं को प्रभावना स्वरूप सम्मानित किया जाता है। यह चौवीहार हाउस रविवार और संवत्सरी के दिन बंद रहेगा। यहां से पशुपक्षी पांजरापोल सहायता तथा अनेक सामाजिक सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं। इस अवसर पर संदीपभाई दोशी, नितिनभाई छोटा, चेतन नितिनभाई शेट, खिलनभाई, मनीषभाई रामभिया, विनोदभाई वीरा, धीरजभाई मोरबी, ममता आर्ट, नानजीभाई गाला मनीष सावंत (विधायक) तथा जैन समाज के कई सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा

दुर्ग। मुख्यमंत्रीके विष्णुदेव साय ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन, लोक निर्माण विभाग की सड़कों हेतु भू-अर्जन प्रकरणों, राजस्व विभाग के ई-कोर्ट न्यायालयों में प्रकरणों का त्वरित निराकरण, एग्रीस्टेक के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन एवं किसान आईडी निर्माण तथा खरीफ फसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण 15 अगस्त से 30 सितम्बर तक पूर्ण करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के आयोजन के संबंध में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिले में रजत महोत्सव को गरिमामय और जनसहभागिता के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करते हुए प्रत्येक विभाग द्वारा एक-एक सप्ताह स्थानीय त्यौहार एवं विशेष अवसरों पर कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जो रजत जयंती समारोह का ही एक महत्वपूर्ण भाग होगा। राजस्व विभाग के अंतर्गत संचालित ई-कोर्ट प्रणाली पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टरों से कहा कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण किया जाए। इससे न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति भी आएगी। साथ ही उन्होंने संभागीय आयुक्त न्यायालयों में न्यायालयीन प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। इस दौरान कृषि विभाग की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ एग्रीस्टेक प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए और उनकी किसान आईडी बनाई जाए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके। कोई भी किसान इससे वंचित न हो इसका विशेष ध्यान रखे। मुख्यमंत्री ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण अभियान पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि यह सर्वेक्षण 15 अगस्त से आरंभ कर 30 सितम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाए। सर्वेक्षण का कार्य सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध होना चाहिए, जिससे भविष्य में किसानों को फसल बीमा, मुआवजा और अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों से कहा कि विकास कार्य और जनसेवा से जुड़े कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। जिला कार्यालय दुर्ग स्थित एनआईसी कक्ष में संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अगस्त में 3 दिन एवं सितम्बर में 2 दिन नहीं बेच सकेंगे मांस-मटन

दुर्ग। अगस्त व सितंबर माह के 5 दिन दुर्ग शहर सीमा क्षेत्र अंतर्गत में मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर निगम ने आदेश जारी किया है कि 20 अगस्त (पर्युषण पर्व के पहले दिन), 26 अगस्त (गणेश चतुर्थी) और 27 अगस्त (पर्युषण के आखिरी दिन) सहित 3 सितम्बर डोला ग्यारस व 6 सितम्बर अंनत चतुर्दशी को पूरे नगर निगम क्षेत्र में स्थित पशुवध गृह और सभी मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी। निगम की स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने बताया कि यह आदेश शासन के नगरीय प्रशासन व विकास विभाग के निर्देश पर जारी किया गया है। इन तिथियों पर जोन स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखेंगे। वे देखेंगे कि प्रतिबंध का सख्ती से पालन हो सके। महापौर अलका बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि पावन पर्वों के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान में मांस-मटन की बिक्री करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गवाह को धमकाने गए आरोपी की हुई हत्या

- हत्या के आरोपी पिता पुत्र हिरासत में
- जमानत पर जेल से छूटकर आया था मृतक
- आरोपी के चाकू से ही की उसकी हत्या

भिलाई। जमानत पर जेल से छुटकर आया युवक उसके खिलाफ गवाही देने वाले गवाह को धमकाने गए आरोपी सोनू रेड्डी नाम के युवक की चाकु गोदकर पिता पुत्र ने हत्या कर दी पुलिस ने इस पूरे मामले पर दो लोगों को हिरासत में लिया है। दरअसल सोनू बाबू रेड्डी छावनी थाने के श्याम नगर कैंप दो का रहने वाला है जो कि पिछले कुछ महिनो से जेल में बंद था सोनू बाबू रेड्डी के घर के सामने रहने वाले सुधाकर मोहरे की पत्नी इस केस में गवाह है सोनू बाबू रेडी पिछले दिनों ही जमानत पर छूट कर जेल से बाहर आया था इसके बाद वह घर के सामने रहने वाले सुधाकर मोहरे के घर पहुंच गया और उसकी पत्नी और सुधाकर मोहरे को धमकाने लगा कि वह उसके खिलाफ किसी प्रकार की कोई गवाही न दे सोनू रेड्डी के जेब में चाकू भी था सुधाकर मोहरे और उसके पुत्र के साथ सोनू बाबू रेड्डी का पहले तो जमकर वाद विवाद गाली गलौज हुई इसी बीच सोनू बाबू रेड्डी का चाकू जमीन पर गिर गया तब सुधाकर मोहरे के पुत्र ने उसी चाकू से सोनू रेडी पर जानलेवा हमला कर दिया जिससे मौके पर ही जमानत पर छुटे सोनू बाबू की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपी पिता पुत्र को हिरासत में ले लिया है। मामले की विवेचना की जारी है।

अग्रवाल महिला कल्याण समिति ने मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

बच्चों और महिलाओं ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

मंदिर परिसर श्री कृष्ण के जयकारों और भजनों से गूंज उठा

अग्रसेन भवन सेक्टर 6 में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आए लोग

भिलाई। भिलाई सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में अग्रवाल महिला कल्याण समिति द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। यह आयोजन समिति द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है।कार्यक्रम की शुरुआत समाज के वरिष्ठजनों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस दौरान समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और पूरे आयोजन स्थल को भक्तिमय बना दिया।

इस विशेष आयोजन में कन्हा जी का नौका विहार,छप्पन भोग,और कान्हा की आकर्षक झांकी सभी के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही।बच्चों और महिलाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया।रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और हर कोई कृष्ण भक्ति में डूबता नजर आया,

कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण परिसर श्री कृष्ण के जयकारों और भजनों से गूंज उठा,जिससे क्षेत्र में एक अलौकिक और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।

शिक्षा की गुणवत्ता पर रहेगा फोकस, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव

अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का करेंगे प्रयास

- विभिन्न विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों ने किया कैबिनेट मंत्री का स्वागत
- शुभकामनाएं देने लोगों का लगा रहा तांता

भिलाई। दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र में आते ही कार्यकर्ताओं एवं उनके प्रशंसकों ने उनका भव्य स्वागत किया और सर्किट हाउस में शिक्षा विभाग एवं विधि उद्योग विभाग सहित निगम व अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने केबिनेट मंत्री का स्वागत अभिनंदन किया इसी बीच मीडिया से मुखातिर होते हुए कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी मिली है उसे निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा से पूरा करूंगा जहां तक शिक्षा की बात है तो आने वाले समय में सिर्फ शिक्षा की गुणवता पर ही फोकस रहेगा साथ ही लोकल फॉर ओकल में ध्यान केंद्रित कर गांवों व शहरों में विभिन्न समूहों द्वारा निर्मित सामनों एवं उत्पादों का उपयोग कर हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का प्रयास कर लोगो को स्वरोजगार दे कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी लेने कलेक्टर पहुंचे खेतों में

दुर्ग। शासन के निर्देशों के तहत जिले में खरीफ फसलों का डिजिटल क्रॉप सर्वे सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त सर्वे की अद्यतन जानकारी लेने कलेक्टर अभिजीत सिंह आज खेतों में पहुंचे। उन्होंने दुर्ग तहसील के ग्राम नगपुरा ओर बोरी तहसील के ग्राम नवागांव में सर्वेयर के द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का मौका मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने सर्वे के संबंध में अधिकारियों एवं सर्वेयर से जानकारी ली। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, अनुविभागीय अधिकारी धमधा सोनल डेविड, तहसीलदार दुर्ग प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार बोरी तारसिंह खरे, अतिरिक्त तहसीलदार हुलेश्वर खुटे, संबंधित राजस्व निरीक्षक, ग्राम कोटवार, कृषकगण एवं सर्वेयर उपस्थित थे।

सिद्ध बाबा मंदिर परिसर में लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ प्राइड ने लगाए गुलमोहर के पौधे

मनेन्द्रगढ़। लायंस क्लब मनेन्द्रगढ़ प्राइड द्वारा बुधवार को सिद्ध बाबा मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने गुलमोहर के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। क्लब अध्यक्ष लायन पूनम सिंह ने कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं, पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करना हर नागरिक का कर्तव्य है। इस तरह के प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण सुनिश्चित करेंगे। सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। लायंस क्लब समय-समय पर ऐसे सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यक्रमों के जरिए जनजागरूकता लाने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस मौके पर क्लब की कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

होलसेल कपड़ा मार्केट राजनांदगांव ही नहीं, छग, महाराष्ट्र के लिए सशक्त केंद्र बनेगा-खूबचंद पारख

- शहर के सत्यम परिवेश में कपड़ा व्यापार को लेकर होलसेल मार्केट की शुरुआत हुई

राजनांदगांव। शहर के पुराना गंज चौक में लगभग 80 दुकानों के साथ बने अत्याधुनिक होलसेल क्लॉथ मार्केट सत्यम परिवेश का भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन की 20 सूत्रीय क्रियान्वयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश संरक्षक खूबचंद पारख ने फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पारख ने कहा कि यह होलसेल कपड़ा मार्केट न केवल राजनांदगांव के व्यापार जगत के लिए बल्कि सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ और पड़ोसी महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के लिए भी एक नया और सशक्त व्यापारिक केंद्र साबित होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी शहर की प्रगति की रीढ़ होते हैं और इस मार्केट का निर्माण निश्चित रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार रायपुर के पंडरी कपड़ा मार्केट और दुर्ग के पुलगांव कपड़ा मार्केट ने वर्षों तक व्यापारी गतिविधियों को अपनी ओर आकर्षित किया और पूरे प्रदेश के व्यापार जगत में अपनी पहचान बनाई उसी प्रकार अब राजनांदगांव की कपड़ा मंडी भी पुनः अपनी खोई हुई पहचान को हासिल करेगी। पारख ने आगे कहा कि इस मार्केट के निर्माण से लाभ केवल कपड़ा व्यापारियों तक ही सीमित नहीं रहेगा। बल्कि इसका सीधा सकारात्मक असर नगरवासियों, छोटे व्यापारियों, परिवहन सेवा प्रदाताओं और सहायक व्यवसायों पर भी पड़ेगा। रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और शहर में व्यापारिक गतिविधियों की चहल-पहल और अधिक बढ़ेगी। उद्योगपति सुनील मूंदड़ा ने कहा कि वे देश-विदेश घूमते रहते हैं पर राजनंदगांव का यह जो कपड़ा मार्केट है वैसा देश में कहीं नहीं देखा विदेश में जरूर है ऐसा मार्केट है। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के जिला अध्यक्ष कमलेश बैद ने कहा कि छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ा था और आगे भी खड़ा रहेगा। कपड़ा व्यापारी संघ हमारे संगठन का अभिन्न हिस्सा है। वहीं पूर्व महापौर नरेश डाकलिया ने कहा कि ऐसे ही सामूहिक रूप से ज्वेलरी बाजार किराना बाजार भी आ सकते हैं। क्योंकि कॉलोनाइजर ने 100 फीट चौड़ा मुख्य मार्ग बना कर दिया है। इससे यातायात की समस्या आने वाले कई वर्षों तक उत्पन्न नहीं होगी। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से राजेंद्र गोलछा, श्रीकिशन खंडेलवाल, ज्ञानचंद बाफना, भावेश बैद, विनोद डढढा, भीमन धनवानी, आलोक बिंदल, अमर लालवानी, तरुण लहरवानी, संजय जैन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, होलसेल क्लॉथ मार्केट सत्यम परिवेश के अध्यक्ष जबरचन्द छाजेड़, उपाध्यक्ष दिनेश खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष संतोष ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष सुभाष खण्डेलवाल, सचिव ऋषभ टाटिया, सह सचिव राधेश्याम डागा आदि उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय कार्यालयों में शीघ्र ई-ऑफिस प्रक्रिया होगी प्रारंभ

संभाग आयक्त ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

दुर्ग। दुग के संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने आज संभाग आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागवार समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की।

संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि शासन की गुड-गवर्नेंस नीति के तहत् दुर्ग संभाग के अंतर्गत सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने संभाग प्रमुख अधिकारियों को ई-ऑफिस की प्रक्रिया के तहत् कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिनस्थ कर्मचारियों को भी प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित करने कहा। संभाग आयुक्त ने उपायुक्त को अधिकारियों और उनके अधिनस्थ कर्मचारियों के लिए शीघ्र संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने को कहा। संभाग आयुक्त ने स्वच्छ छत्तीसगढ़ मिशन की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के अधिकारी को शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में सॉलिड-लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में मौका निरीक्षण करने उपायुक्त को निर्देशित किया। मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान पुलिस, उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग को रैली आदि का संयुक्त आयोजन कर विद्यार्थियों के माध्यम से जन-जागरूकता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रैली में विद्यार्थियों की भागीदारी से वे स्वयं नशे के दुष्परिणाम से अवगत होंगे। संभाग आयुक्त ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने में सर्तकता पूर्वक कार्यवाही करने कहा। संभाग आयुक्त ने संभाग के सभी पंचायतों में सहकारी समिति गठन की समीक्षा के दौरान मछुआ एवं दुग्ध समिति को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि अब तक 1106 ग्राम पंचायत को समिति गठन के संबंध में कवर कर लिया गया है। बैठक में संभाग आयुक्त कार्यालय के प्राप्त पत्रों के निराकरण हेतु विभिन्न कार्यालयों को प्रेषित पत्रों पर कार्यवाही की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

निगम का बड़ा एक्शन आज फिर चार बकायादारों के नल कनेक्शन काटे गए,टैक्स वसूली में निगम का एक्शन मोड, बकायादारों में मची खलबली

आयुक्त सुमित अग्रवाल की चेतावनी, टैक्स नहीं चुकाया तो होगी सख्त कार्रवाई,लंबे समय से टैक्स बकाया, निगम ने कस लिया शिकंजा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग राजस्व वसूली को लेकर लगातार सख्ती दिखा रहा है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर मंगलवार को राजस्व विभाग की टीम ने बड़े बकायादारों पर शिकंजा कसते हुए कार्रवाई की। टीम ने चार ऐसे घरों के नल कनेक्शन काट दिए जिन्होंने वर्षों से टैक्स जमा नहीं किया था। इस कार्रवाई के दौरान निगम की टीम वार्ड 2 राजीव नगर, वार्ड 5 मरार पारा, वार्ड 6 ठेठवार पारा और वार्ड 42 कसारीडीह क्षेत्र पहुँची। टीम ने मौके पर जाकर बकाया करदाताओं को अंतिम चेतावनी देने के बाद उनके नल कनेक्शन काट दिए।

इन बकायादारों पर हुई कार्रवाई-1. बुधारू ढीमर पिता केजू राम, वार्ड 2 राजीव नगर ङ्क वर्ष 2010 से 2025-26 तक बकाया टैक्स राशि 49,390। 2. लता बाई पति सुंदर लाल सोनी, वार्ड 5 मरार पारा -वर्ष 2004 से 2025-26 तक बकाया टैक्स राशि 84,720। 3. अशोक कुमार शर्मा पिता मोहन प्रसाद शर्मा, वार्ड 6 ठेठवार पारा - वर्ष 2011 से 2025-26 तक बकाया टैक्स राशि 57,560। 4. अनंत राम साहू पिता रतन लाल साहू, वार्ड 42 कसारीडीह - वर्ष 2013 से 2025-26 तक बकाया टैक्स राशि 57,989। आयुक्त की सख्त चेतावनी-आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि निगम की वसूली अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा जो लोग वर्षों से टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। नागरिकों को समझना होगा कि टैक्स की राशि से ही शहर का विकास और सुविधाओं का संचालन होता है। निगम बकाया करदाताओं को बिल्कुल भी बख्शने वाला नहीं है।

असर और संदेश-इस कार्रवाई के बाद इलाके में संदेश गया कि नगर निगम अब किसी भी तरह की लापरवाही या टालमटोल बर्दाश्त नहीं करेगा। नियमित करदाता नागरिकों ने भी इस कदम का स्वागत किया और कहा कि इससे टैक्स जमा करने वालों और न करने वालों के बीच समानता का माहौल बनेगा।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरेंद्र साहू से पूर्व उपाध्यक्ष चंद्रिका साहू ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। प्रदेश साहू समाज के निर्विरोध नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. निरेंद्र साहू से समाज की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका साहू ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। चंद्रिका साहू ने कहा कि प्रदेश साहू संघ ने इस बार जो कदम उठाया है, वह ऐतिहासिक और अनुकरणीय है। समाज ने महंगे चुनावी प्रक्रिया से ऊपर उठकर एकता और संगठन की मिसाल पेश की है। निर्विरोध चुनाव से सभी पदाधिकारियों का चयन होना पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। भेंटवार्ता के दौरान उन्होंने सामाजिक व संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की। साथ ही सुझाव दिया कि जिला से लेकर स्थानीय स्तर तक भी इसी प्रकार निर्विरोध चुनाव कराने की परंपरा को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com